संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 170
पृष्ठ 8
रविवार
09 मार्च 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- खून की कमी दूर करेगा चुक्कंदर...

विचार- अर्थव्यवस्था की चाह बनाम चुनावी...

खेल- न्यूजीलैंड से 25 साल पुराना बदला...

गुजरात में बोले प्रधानमंत्री मोदी, महिलाओं का आशीर्वाद मेरा कवच-

मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति

नवसारी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गुजरात के नवसारी के वानसी–बोरसी में लखपति दीदी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया, जहां उन्होंने 1.1 लाख से अधिक महिलाओं को संबोधित किया। इसके अलावा नरेन्द्र मोदी ने में जी–सफल और जी–मैत्री सहित विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में माता गंगा का आशीर्वाद मिले और आज मातृशक्ति के इस महाकुंभ में आप सभी माताओं–बहनों के आशीर्वाद मिले। आज महिला दिवस का ये दिन, गुजरात की मेरी मातृभूमि और इतनी बड़ी संख्या में माताओं, बहन–बेटियों की ये उपस्थिति, इस विशेष दिन... आपके इस प्यार, स्नेह और आशीर्वाद के लिए मैं मातृशक्ति को सिर झुकाकर नमन करता

हूं। मोदी ने कहा कि आज यहां गुजरात सफल और गुजरात मैत्री, इन दो योजनाओं का शुभारंभ भी हुआ है। अनेक योजनाओं के पैसे भी महिलाओं के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। मैं इसके लिए भी आप सभी को बधाई देता हूं। आज का दिन महिलाओं को समर्पित है। उन्होंने कहा क आज इस दिन, मैं गर्व से कह सकता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। जब मैं कहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं, तो कई लोगों के कान खड़े हो जाएंगे। आज पूरी ट्रॉल सेना मैदान में उतर जाएगी, लेकिन मैं फिर भी दोहराऊंगा कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। मेरी जिंदगी के अकाउंट में करोड़ों माताओं, बहनों–बेटियों का आशीर्वाद है और ये आशीर्वाद निरंतर बढ़ता जा रहा है, इसलिए मैं कहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत महिलाओं के नेतृत्व में विकास की राह पर चल पड़ा है। हमारी सरकार महिलाओं के जीवन में सम्मान और सुविधा दोनों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। हमने करोड़ों महिलाओं के लिए शौचालय बनवाकर उनका सम्मान बढ़ाया है। हमने करोड़ों महिलाओं के खाते खुलवाकर बैंकिंग से जोड़ा है। हमने उज्ज्वला सिलेंडर देकर उन्हें धुएं जैसी तकलिफों से बचाया है। उन्होंने कहा कि आज समाज के स्तर पर, सरकार के स्तर पर, बड़ी–बड़ी संस्थाओं में महिलाओं के लिए ज्यादा से ज्यादा तरजीह दी गई है। राजनीति का मैदान हो या खेल का मैदान, न्यायपालिका हो या फिर पुलिस... देश के हर सेक्टर में, हर आयाम में महिलाओं का परचम लहरा रहा है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हम सबको ये देखकर गर्व होता है कि आज दुनिया में सबसे बड़ी संख्या में महिला पायलट, हमारे भारत में हैं। ये नारीशक्ति के सामर्थ्य का ही उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जब आप सभी से मिलता हूं तो मेरा भरोसा और पक्का हो जाता है कि विकसित भारत का संकल्प अब पूरा होकर ही रहेगा। संकल्प की सिद्धि में हमारी नारीशक्ति की सबसे बड़ी भूमिका होगी। मोदी ने कहा कि 2014 के बाद से अब तक करीब 3 करोड़ महिलाएं घर की मालकिन बन चुकी हैं। आज पूरी दुनिया में जल जीवन मिशन की भी बड़ी चर्चा है। जल जीवन मिशन के जरिए आज देश के गांव–गांव में पानी पहुंच रहा है। गांधी जी कहते थे कि देश की आत्मा ग्रामीण भारत में बसती है।

जीएसएलवी क्रायो स्टेज इंजन का कई बार पुनः आरंभ रहा सफल- इसरो

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने जीएसएलवी के क्रायोजेनिक ऊपरी चरण के साथ स्पार्क टॉर्च इग्नाइटर का उपयोग करके प्रक्षेपण यान चरणों के प्रज्वलन परीक्षण का कई बार पुनः आरंभ सफलतापूर्वक पूरा किया है। एक अपडेट में, इसरो ने कहा कि वह अगले पीढ़ी के प्रक्षेपण यान के लिए लॉक्स–मीथेन इंजन और चरणों का विकास कर रहा है, जिसमें एक पुनरू प्रयोज्य बूस्टर चरण और दो नष्ट होने वाले ऊपरी चरणों का उपयोग किया जाता है। इस विन्यास में, बूस्टर चरण की पुनर्प्राप्ति के लिए एकाधिक पुनः आरंभ आवश्यक होंगे, साथ ही मिशन लचीलेपन के लिए ऊपरी चरण को पुनः आरंभ करना भी आवश्यक होगा।

तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो का द्रव नोदन

प्रणाली केंद्र (एलपीएससी) भविष्य के लॉक्स–मीथेन चरणों के लिए स्पार्क टॉर्च इग्नाइटर विकसित कर रहा है, जिसके निम्नलिखित लाभ होंगेरू मल्टी–रीस्टार्ट क्षमता, उच्च प्रज्वलन विश्वसनीयता और स्वच्छ दहन उत्पाद आदि।

तीन मार्च 2025 को, स्पार्क टॉर्च इग्नाइटर का एक प्रदर्शन मॉडल जीएसएलवी क्रायोजेनिक उपरी चरण वर्नियर इंजन का उपयोग करके सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया, जिसमें ईंधन के रूप में गैसीय ऑक्सीजन और गैसीय हाइड्रोजन का उपयोग किया गया। यह परीक्षण एलपीएससी के दहन अनुसंधान सुविधा में किया गया और सुचारू प्रज्वलन प्राप्त किया गया। यह परीक्षण कुल तीन सेकंड की अवधि के लिए किया गया और परीक्षण के दौरान प्राप्त सभी इंजन पैरामीटर सामान्य और अपेक्षा के अनुरूप थे। इसरो ने कहा कि प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए आगामी परीक्षण की भी योजना बनाई गई है।

नारी शक्ति ने हमारी सभ्यता को प्रगति के लिए सशक्त बनाया है- शाह

नयी दिल्ली (संवाददाता) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि सदियों से नारी शक्ति ने हमारी सभ्यता को प्रगति के पथ

पर चलने के लिए सशक्त बनाया है। श्री शाह ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट 'एक्स' पर कहा, "अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक बधाई। सदियों से नारी शक्ति ने हमारी सभ्यता को प्रगति और जीत के लिए सशक्त बनाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के अपने दृष्टिकोण के माध्यम से उनके ऐतिहासिक कद को पुनर्जीवित किया है और राष्ट्र निर्माण के केंद्र में नारीत्व को प्रतिष्ठित किया है।" उन्होंने कहा, "मैं कामना करता हूं कि यह दिन इस महान लक्ष्य की ओर हमारी यात्रा को गति देने के लिए नई प्रेरणा जगाये।"

मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को एक्स पर लिखा कि "हम महिला दिवस के अवसर पर अपनी नारी शक्ति को नमन करते हैं! हमारी

सरकार हमेशा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए काम करती रही है, जो हमारी योजनाओं और कार्यक्रमों में परिलक्षित होता है। आज, जैसा कि वादा किया गया था, मेरी सोशल मीडिया पर उन महिलाओं का कब्जा होगा जो विभिन्न क्षेत्रों में अपना अमिट छाप छोड़ रही हैं!" उन्होंने कहा कि "मैं सभी महिलाओं, विशेषकर युवा लड़कियों को एक संदेश देना चाहता हूं कि अपने सपनों का पीछा करें, चाहे कितनी भी बाधाएं उत्पन्न हो। आपका जुनून आपकी सफलता को शक्ति देगा। मैं महिलाओं को उनके सपनों का पीछा करने और जिस किसी क्षेत्र का वे चुनाव करें, बाधाओं को तोड़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता हूं क्योंकि मुझे पता है कि वे कर सकती हैं!"

प्रियंका–राहुल ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को दी शुभकामनाएं

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर शनिवार को महिलाओं को बधाई दी और उन्हें उज्जवल भविष्य के

लिए शुभकामनाएं दी। श्रीमती वाड्रा ने कहा, "देश भर की हमारी सभी बहनों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आजादी की लड़ाई से लेकर देश के निर्माण तक– महिलाओं ने हर क्षेत्र में हमेशा बढ़–चढ़कर भागीदारी की है और अपनी शक्तिशाली नेतृत्व क्षमता को साबित किया है। आज महिलाओं की भूमिका और भागीदारी को और ज्यादा बढ़ाने की जरूरत है। महिलाएं जितनी ज्यादा आगे आएंगी, देश उतना ही सशक्त और सुंदर बनेगा।" श्री गांधी ने कहा, "महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं। उनकी ताकत, लचीलापन और आवाज हमारे देश के भविष्य को आकार देती है। इस अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर, मैं आपके साथ और आपके लिए खड़ी हूँ –हर बाधा को तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हूँ।

दिल्ली के रेखा गुप्ता मंत्रिमंडल ने महिला सम्मान योजना लागू करने की मंजूरी दी

नयी दिल्ली।दिल्ली रेखा गुप्ता मंत्रिमंडल ने शनिवार को महिला सम्मान योजना के तहत पंजीकृत महिलाओं को हर माह वित्तीय सहायता देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसे महिलाओं के सम्मान और उत्थान के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता की एक और मिसाल बताया है।

मुख्यमंत्री श्रीमती गुप्ता की उपस्थिति भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने राजधानी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिल्ली सरकार के इस फैसले की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री का बधाई दी। श्री नड्डा ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत महिलाओं की बड़ी भूमिका रही और उनके समर्थन से यह जीत संभव हो सकी है। इसके लिए दिल्ली की महिलाओं का आभार व्यक्त किया।

इससे पहले श्रीमती गुप्ता

की अध्यक्षता में दिल्ली सरकार के मंत्रिमंडल की आज हुई बैठक में महिला सम्मान योजना के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने दिल्ली विधानसभा के चुनाव में अपने संकल्प पत्र में महिलाओं को 2500 रुपये प्रति माह देने का वादा किया था। यह इस योजना के तहत पंजीकृत महिलाओं के बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित की जानी है।

श्री नड्डा ने इससे पहले अपने संबोधन में कहा कि जो राष्ट्र महिलाओं का सम्मान नहीं करता वह विकसित नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बात को समझते हैं और वह इस दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हमारी सरकार का फोकस 'महिलाओं के नेतृत्व में' विकास को आगे बढ़ाने पर है। प्रधानमंत्री नारी सशक्तिकरण के ध्येय के साथ देश को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने इस संदर्भ में केन्द्र की भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार द्वारा उज्जवला योजना, इज्जतघर के तहत हर घर में शौचालय बनाने तथा महिलाओं के कल्याण के लिए उठाये गये अन्य कार्यक्रमों और योजनाओं का उल्लेख किया।

हिजबुल मुजाहिद्दीन का फरार आतंकी गिरफ्तार

मुरादाबाद (संवाददाता) उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने हिजबुल मुजाहिद्दीन के फरार आतंकवादी को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया

कि एटीएस और मुरादाबाद पुलिस के संयुक्त अभियान में हिजबुल मुजाहिद्दीन के आतंकवादी उल्फत हुसैन उर्फ मोहम्मद सैफुल इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया गया। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में प्रशिक्षित आतंकवादी की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। यह आतंकवादी 2001 में पुलिस हिरासत से फरार हो गया था जिसकी लंबे अरसे से तलाश थी। गिरफ्तार आतंकवादी जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले का निवासी है। उसे 2001 में भारी मात्रा में हथियार और गोली बारुद समेत गिरफ्तार किया गया था मगर वह सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देकर भाग निकला था।

पहले की सरकारों ने महिला सशक्तिकरण के लिए कोई काम नहीं किया – नीतीश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का नाम लिए बिना उनपर निशाना साधा और कहा कि पहले जिन लोगों को मौका मिला उन्होंने महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कोई काम नहीं किया। श्री कुमार ने शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर यहां पार्टी कार्यालय में बिहार प्रदेश महिला जदयू की ओर से आयोजित नारी शक्ति सम्मेलन का शुभारंभ करने के बाद अपने संबोधन में कहा कि आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मैं आप तमाम महिलाओं को बधाई एवं शुभकामनायें देता हूं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में शामिल होकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। वह प्रारम्भ से ही महिलाओं के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए निरंतर काम कर रहे हैं ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। मुख्यमंत्री ने कहा, "पहले जिन लोगों को मौका मिला उन्होंने महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कोई काम नहीं किया।" उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में बड़ी संख्या में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं। यह देखकर उन्हें बेहद प्रसन्नता होती है। जदयू की बिहार प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. भारती मेहता ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह् भेंटकर उनका अभिनंदन किया। सम्मेलन में शामिल सभी महिलाओं ने ताली बजाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, परिवहन मंत्री शीला मंडल, जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद संजय कुमार झा, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, पूर्व मंत्री रंजू गीता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

लोकरंजन प्रकाशन और शहर समता विचार मंच
के संयुक्त तत्वावधान में
लोकार्पण एवं काव्यगोष्ठी

वरिष्ठ कवयित्री प्रेमा राय के कविता- संग्रह
'पत्थर बोलते हैं' का लोकार्पण

अध्यक्षता - वरिष्ठ साहित्यकार अनवार अब्बास नकवी
मुख्य अतिथि - डॉ ऊषा मिश्रा,
विशिष्ट अतिथि - प्रो. रवि मिश्रा, डॉ प्रदीप चित्रांशी

दिन - रविवार 9 मार्च 2025
समय - दिन में 12 बजे से

स्थान - हिन्दुस्तानी एकेडमी का सभागार

लोकरंजन प्रकाशन रंजन पाण्डेय
साहित्यिक संयोजक रचना सक्सेना
कार्यक्रम संयोजक संजय सक्सेना
संस्थापक एवं संपादक उमेश श्रीवास्तव

खींचने को लकीर, चुनौतियों को बनाया ताकत

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 जैसा आयोजन हर किसी के लिए चुनौती भरा था। प्रदेश सरकार ने इसके लिए मजबूत टीम दी थी, इस टीम में प्रशासनिक अफसरों में एक मात्र महिला आईएएस अफसर आकांक्षा राना थीं। महिला अधिकारी के लिए चुनौती बड़ी थी, लेकिन उन्हें एक लकीर खींचनी थी, इसलिए उन्होंने इसे अपनी ताकत बनाया। 2017 बैच की आईएएस अफसर आकांक्षा प्रयागराज में एसडीएम रह चुकी हैं। इसके साथ ही अलीगढ़ और हरदोई में उन्होंने बतौर एसडीएम काम किया। 2024 में जब महाकुम्भ के कार्य तेजी पकड़ रहे थे तो प्रदेश सरकार ने उन्हें बतौर विशेष कार्य अधिकारी प्राधिकरण में तैनाती दी। स्वच्छता, व्यवस्था से जुड़े सभी काम उनके जिम्मे थे। दिनभर फील्ड वर्क के बाद शाम को बैठकों को पूरा कर आंकाक्षा राना रात दो बजे दफ्तर में बैठतीं और अगले दिन की कार्य योजना, तैनातियों का पूरा ब्योरा तैयार करतीं। यहीं नहीं हर स्नान पर्व पर रात तीन बजे संगम नोज पर तैनात हो जातीं और वहां की जिम्मेदारियों को पूरी तन्मयता से निभातीं। विशेष कार्य अधिकारी आकांक्षा राना का कहना है कि निश्चित तौर पर यह चुनौती भरा काम था, लेकिन ऐसे अवसर जीवन में बहुत कम आते हैं। इसके साथ ही यहां टीम बहुत अच्छी थी। नेतृत्व हमेशा मिला और पूरे स्टाफ ने हमेशा सहयोग दिया।

संध्या बनीं युवा चेतना शक्ति की अध्यक्ष

प्रयागराज। विश्व जनचेतना ट्रस्ट भारत की बैठक शुक्रवार को मामा भांजा तालाब महेवा में आयोजित की गयी। इस मौके पर ट्रस्ट की ओर से युवा चेतना शक्ति का गठन किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. राहुल शुक्ल 'साहिल के अनुसार युवा कवयित्री संध्या कनौजिया श्रीजी को युवा चेतना शक्ति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। साहिल ने कहा कि संस्था की ओर से सामाजिक, सांस्कृतिक व स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।कांति प्रभा शुक्ला, शाकिब सिद्दीकी, अनु विश्वकर्मा, पूनम तिवारी, सरजीत गौतम, मनोज राजपूत, साधना गुप्ता, पं. सुमित जी, सरस, नीतेन्द्र सिंह परमार, सुशीला धस्माना, मुस्कान मौजूद रहीं।

इंस्टाग्राम पर दस लाख फॉलोअर होने पर किया भंडारा

प्रयागराज। इंस्टाग्राम पर दस लाख फॉलोअर होने पर उत्साही युवाओं ने भंडारा किया है। मम्फोर्डगंज फव्वारा चौराहा निवासी सगे भाई उज्जवल प्रजापति और प्रज्जवल प्रजापति ने

इंस्टाग्राम पर स्ट्रीट्स ऑफ प्रयागराज नाम से 2017 से पेज संचालित कर रहे हैं। पिछले महीने 25 फरवरी को उनके फॉलोअर की संख्या दस लाख से अधिक हो गई। इसी खुशी में दोनों भाईयों ने मंगलवार की शाम अपने घर के पास चौराहा पर शाम पांच बजे से भंडारा किया जिसमें चार घंटे से अधिक समय तक लोगों को निरूशुल्क भोजन वितरित किया गया। उज्जवल प्रजापति कहते हैं कि जब वे कक्षा आठ और नौ में पढ़ाई करते थे तब 2017 में यह पेज शुरू किया था। उस समय यह अंदाजा नहीं था कि लोगों का इतना प्यार मिलेगा। वह अपने पेज पर मुख्य रूप से प्रयागराज के तीज–त्योहार, परंपरा, संस्कृति, खान–पान आदि से संबंधित कंटेंट अपलोड करते हैं। महाकुम्भ में खासतौर से उनके वीडियो लोगों ने बहुत पसंद किए। पूरे देश ही नहीं दुनियाभर से लोगों के मैसेज उन्हें आने लगे हैं। उनका दावा है कि प्रयागराज का उनका पहला इंस्टाग्राम पेज है जिसके दस लाख फॉलोअर हो चुके हैं। दोनों भाईयों ने अपने पेज पर अब तक 1449 पोस्ट अपलोड किए हैं। बड़े हनुमान मंदिर से लेकर शृंग्वेरपुर में लगी भगवान राम और निषादराज गुह्य की प्रतिमा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का महाकुम्भ दौरा, किन्नर अखाड़े का शाही स्नान, धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री बागेश्वर धाम की कथा, गौतम अदाणी के भंडारा वितरण, नैनी हैंगिंग ब्रिज की रात की लाइटिंग, महाकुम्भ में रुद्राक्ष से बने मौनी बाबा के शिविर, कैलाश खेर की प्रस्तुति आदि के वीडियो यूजर्स ने खूब पसंद किए हैं।

भ्रांतियों से दूर रहकर कराएं घुटने का प्रत्यारोपण: डॉ. संजीव

प्रयागराज। इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन की ओर से शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में मोहक अस्पताल के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ॰ संजीव पांडेय ने घुटने के प्रत्यारोपण पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि गठिया होने के कारण लंबे समय तक न चल पाने से मोटापा, बीपी व मधुमेह जैसी बीमारियां भी बढ़ जाती हैं। नई तकनीक से घुटने का प्रत्यारोपण करवाने से व्यक्ति सामान्य रूप से चलने लगता है। घुटने के प्रत्यारोपण से जुड़ी भ्रांतियों को नजरंदाज करते हुए समय से घुटने का प्रत्यारोपण कराना चाहिए। अध्यक्षता एएमए के उपाध्यक्ष डॉ. ज्योति भूषण ने किया। एएमए के सचिव डॉ. आशुतोष गुप्ता, डॉ. सुभाष वर्मा, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष कमल सिंह, डॉ. सुबोध जैन, डॉ. सुजीत सिंह मौजूद रहे।

महाकुम्भ अर्थव्यवस्था बढ़ावा संग छोड़ गया स्थायी विरासत: आईजी

प्रयागराज। महाकुम्भ उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व बढ़ावा देगा बल्कि एक स्थायी विरासत भी छोड़ गया जो लंबे समय तक राज्य को लाभान्वित करता रहेगा। उक्त बातें आईजी प्रेम कुमार गौतम ने कही। वह ट्रिपलआईटी में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की ओर से आयोजित 'उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन की संभावनाएंरू परिप्रेक्ष्य और संभावनाएं विषय पर दो दिनी सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। आईजी ने कहा कि महाकुम्भ 2025 उत्तर प्रदेश के लिए अवसर की किरण के रूप में खड़ा है, जो न केवल तत्काल आर्थिक लाभ प्रदान करता है बल्कि राज्य के विकास के लिए दीर्घकालिक फायदे भी देता है।

बाजार में होममेड पापड़ की डिमांड, दस फीसदी तक बढ़ा रेट, आलू के चिप्स की मांग ज्यादा

प्रयागराज। होली नजदीक आते ही चिप्स, पापड़, पाइप, कचरी समेत विभिन्न स्वाद और वैरायटी के गुझिया की मांग बढ़ गई है। रेडीमेड गुझिया की मांग काफी तेज है। इसके साथ ही काजू, साबूदाना, आलू, बेसन के नमकीन की बिक्री की भी खरीदारी हो रही है।

महाकुंभ संपन्न होने के बाद संगमनगरी में अब होली की तैयारियां शुरू हो गईं हैं। रंग, पिचकारी का बाजार जहां एक ओर सज चुका है तो वहीं पापड़, चिप्स, नमकीन के बाजार में भी रौनक बढ़ी है। पापड़, चिप्स बेचने वाले व्यापारियों का कहना है कि रंगीन पाइप, कचरी की बिक्री में इस बार कमी आई है। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं एवं घरों में बनाए जाने वाले आलू पापड़, चिप्स आदि की इस बार बाजार ज्यादा डिमांड है। कारोबारी दीपक गुप्ता बताते हैं कि होममेड पापड़ वह आर्डर के हिसाब से बनवाते हैं। पिछले वर्ष की तुलना में पापड़, चिप्स आदि के दाम में दस फीसदी तक की वृद्धि हो चुकी है। इसी तरह कारोबारी विकास केसरवानी ने बताया कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए जाने वाले पापड़ की दस्तक अब बड़े मॉल तक में भी हो चुकी है।

बताया कि नामी कंपनियां मूंग, उड़द दाल के पापड़ ही बाजार में सप्लाई करती हैं, जबकि होली पर आलू के पापड़ को लोग ज्यादा पसंद करते हैं। इसी तरह नमकीन की भी बिक्री बढ़ गई है। महाजनी टोला के कारोबारी राजू अग्रवाल ने बताया कि मसाला समोसा, खस्ता के साथ बेसन के सेव की बिक्री होली पर खूब होती है। कहा कि उन्होंने 20 से बताया कि वह मोहल्ले की कुछ औरतों के साथ मिलकर आलू का पापड़ पिछले एक सप्ताह से बना रही हैं। स्थानीय दुकानदार भी उन्हें लगातार पापड़ का आर्डर दे रहे हैं। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र गोयल बताते हैं कि होली पर सिर्फ नमकीन, पापड़ का ही 55 करोड़ रुपये तक का कारोबार हो सकता है।

ज्यादा तरह की नमकीन होली के लिए तैयार करवाई है।

इसी तरह पुराने शहर के तमाम मोहल्लों में महिलाएं आलू पापड़, चिप्स, साबूदाना पापड़ा आदि बनाने में जुट गई हैं। गृहिणी संध्या श्रीवास्तव ने बताया कि फिलहाल पापड़, चिप्स और नमकीन तैयार किए जा रहे हैं। इसके बाद गुझिया, शकरपारे और मठरी का नंबर आएगा। वर्षा उपाध्याय ने

होली के त्योहार के लिए तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। घरों से लेकर दुकानों तक गुझिया, मिठाई व नमकीन बनने लगी है। शहर की दुकानों पर गुझिया व नमकीन की कई वैराइटी मौजूद है। इस बार होली में गुड़ की गुझिया संग पंजाबी (सोहला) मट्ठी त्योहार पर रिश्तों में मिठास घोलेगी। शहर की दुकानों पर गुड की गुझिया के साथ ही खोया गुझिया, चाशनी मेवा गुझिया, ड्राईफ्रूट वाली गुझिया समेत मिठाई व नमकीन दुकानों पर तैयार की गई हैं।

शहर के अंबेडकर चौराहा, स्टेशन रोड, बाबागंज, बलीपुर, चौक व सदर बाजार में होली के त्योहार पर मिठास घोलने के लिए गुझिया, नमकीन व मिठाई तैयार की जा रही है। होली को देखते हुए शुद्ध खोया दुकानदार खुद तैयार करा रहे हैं। गुड़ की गुझिया 440 रुपये प्रति किग्रा बिक रही है।

जबकि मेवा गुझिया 400 रुपये प्रति किग्रा है। इसके साथ ही चाशनी वाली गुझिया भी 400 रुपये प्रति किग्रा बिक रही है। शहर की 100 से अधिक मिठाई दुकानों पर 250 कुंतल गुझिया तैयार करने का अनुमान दुकानदारों ने जताया है। वहीं जनपद भर में 25 सौ टन गुझिया की बिक्री इस त्योहार पर होने का अनुमान है। इसके साथ ही नमकीन में पंजाबी मट्ठी, काजू मसाला नमकीन, मिनी समोसा की भी बिक्री होगी। इनकी कीमत 200 से 250 रुपये के बीच है।

अंबेडकर चौराहे के दुकानदार हरि प्रसाद मौर्य ने बताया कि होली के लिए गुझिया व नमकीन हर दिन बनाए जा रहे हैं। रविवार तक गुझिया की सभी वैराइटी तैयार कर ली जाएगी। साथ ही मिठाई व नमकीन भी तैयार किया जा रहा है। मिठाई विक्रेता अनिल मोदनवाल ने बताया कि कई प्रकार की मिठाइयां तैयार की गई है। अभी बिक्री कम हो रही है। एक दो दिन में त्योहार के लिए गुझिया और अन्य खाद्य सामग्री तैयार कर ली जाएगी।

होली को देखते हुए खोया का दाम 30 से 40 रुपये बढ़ गया है। शहर के चौक में 250 से 300 रुपये प्रति किग्रा खोया बिक रहा है। गाय व भैंस के दूध के अलग–अलग खोया दुकानदार व लोग खरीद रहे हैं। शादी सीजन होने से भी खोया की कीमत अधिक है। खोया विक्रेता सतीश ने बताया कि इन दिनों मांग अधिक है। एक से दो घंटे में 30 से 40 किग्रा खोया बिक जाता है। आम दिनों में खोया का दाम 220 से 240 रुपये प्रतिकिग्रा के बीच था।

बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर के फेज –2 में बनेगा गर्भगृह, शिखर और मंडप, होली बाद शुरू होगा निर्माण

प्रयागराज। महाकुंभ के मद्देनजर संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर के प्रथम चरण का निर्माण मेले के पहले पूरा कर लिया गया था। प्रथम चरण में मंदिर के चारों तरफ ऊंची चहारदीवारी और प्रवेश द्वार के साथ दीवारों पर आकर्षक चित्रकारी की गई है। दूसरे चरण में मंडप, शिखर और गर्भगृह का कायाकल्प किया जाएगा।

सनातन आस्था के महापर्व के आयोजन के चलते पूरे शहर के सौंदर्यीकरण, मंदिरों के जीर्णोद्धार और गंगा नदी पर घाटों का निर्माण किया गया है। संगम क्षेत्र में स्थित बड़े हनुमान मंदिर के भव्य कॉरिडोर का भी निर्माण किया जा रहा है। जिसके फेज–1 का निर्माण महाकुंभ के पहले पूरा हो चुका है, लेकिन स्नान पर्वों को देखते हुए फेज–2 का कार्य बाद में करने का निर्णय लिया गया था । जो होली के बाद शुरू हो जाएगा, जिसके तहत मंदिर के गर्भगृह और विशाल मंडप का निर्माण होगा। प्रयागराज विकास प्राधिकरण ये कार्य अगले दो से तीन महीने में पूरा कराएगा।

संगम क्षेत्र में स्थित बड़े हनुमान मंदिर, प्रयागराज के

प्रसिद्ध मंदिरों में एक है। महाकुंभ के दौरान मंदिर में करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन किया। मंदिर के पुजारी सूरज पाण्डेय ने बताया कि मेले के दौरान प्रत्येक दिन मंदिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के दर्शन का क्रम चलता रहता था। वर्तमान में सामान्य दिन में भी 5 से 10 हजार श्रद्धालु हनुमान जी का दर्शन कर रहे हैं, मंगलवार और शनिवार को दर्शन–पूजन करने वालों की संख्या और ज्यादा हो जाती है।

राष्ट्रपति, पीएम, सीएम समेत तमाम हस्तियों ने किया दर्शन

मंदिर के पुजारी के अनुसार महाकुंभ मेले के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, समेत कई गणमान्य अतिथियों ने भी हनुमान जी का दर्शन और पूजन किया था। उधर प्रयागराज विकास प्राधिकरण के मुख्य अभियंता नवनीत शर्मा ने बताया कि बड़े हनुमान मंदिर के कॉरिडोर की विशालता और स्नान पर्वों के चलते कॉरिडोर का निर्माण 2 फेज में करने का निर्णय लिया गया था। जिसके तहत पहले फेज–1 में बड़े हनुमान मंदिर के दोनों ओर विशाल द्वारों और विशाल प्रांगण का निर्माण किया गया था।

उन्होंने बताया कि मंदिर के फेज–2 का निर्माण कार्य होली के बाद शीघ्र ही शुरू हो जाएगा। जो कि अगले दो से तीन महीने में पूरा किया जाना है। मंदिर के शिखर और मंडप को रेड सैंड स्टोन में नक्काशी कर सौंदर्यीकरण किया जाएगा। जिसके लिए विशेष रूप से राजस्थान से कारीगर प्रयागराज बुलाए जाएंगे।

महाकुम्भ पर अध्ययन करने वालों को सहयोग करेंगे संजय ममगई

प्रयागराज। नगर निगम के जोनल अधिकारी संजय ममगई 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ पर शोध और अध्ययन में मदद करेंगे। नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने संजय ममगई को महाकुम्भ पर साक्षात्कार, समन्वय. सूचना, अध्ययन, शोध के लिए नोडल अधिकारी नामित किया है। संजय ने बताया कि महाकुम्भ पर देश–विदेश के कई विश्वविद्यालय व अन्य संस्थान शोध और अध्ययन करने आ रहे हैं। शोध और अध्ययन में उनकी भूमिका समन्वयक की होगी। इससे पहले भी नगर निगम ने महाकुम्भ के लिए संजय ममगई को नोडल अधिकारी बनाया था। महाकुम्भ की वृहद जानकारी होने के कारण ही नगर आयुक्त ने संजय को अहम जिम्मेदारी सौंपी है।

कभी नहीं थे 10 रुपये, आज दूसरों को दिला रहीं रोजगार

प्रयागराज। फूलपुर साहिल महिला आजीविका मिशन की कल्पना पाठक ऐसी महिलाओं में रहीं, जिनके पास किसी समय सदस्यता शुल्क देने के 10 रुपये नहीं होते थे लेकिन स्वावलंबन की राह पर निकलीं कल्पना आज दो हजार से अधिक महिलाओं को मुख्य धारा से जोड़ चुकी हैं और अपने परिवार के भरण पोषण की जिम्मेदारी भी बखूबी उठा रही हैं। कल्पना का कहना है कि शुरुआत में समस्या आई, लेकिन उन्होंने काम शुरू किया। पहले स्वास्थ्य सखी के रूप में काम किया तो कुछ आमदनी होने लगी। इसके बाद बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर योजना से उन्होंने अपने नाम पर टेंपो लोन पर लिया। टेंपो चलवाना शुरू किया और आय होने लगी। उधर समूह का काम भी चल निकला। दो हजार रुपये महीने में आय होने लगी। बेहतर काम के कारण उन्हें महिलाओं को जोड़ने का काम दिया गया। एफपीओ से जुड़ीं और मई 2024 में इसकी मुख्य कार्यकारी अधिकारी बना दी गईं। तब से इस पद का 25 हजार रुपये महीने वेतन, टेंपो से होने वाली आय और समूह से मिलने वाली आय से आज अपना मुकाम बना लिया है। कल्पना का कहना है कि उस वक्त बच्चों की जिम्मेदारी के कारण उन्हें कहीं जाने नहीं दिया जाता था और आज वो बच्चों की ट्यूशन, पढ़ाई का पूरा खर्च उठा रही हैं।

स्थापना वर्ष समारोह के समापन पर पुरा छात्रों का सम्मान

प्रयागराज। एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज के 150वें स्थापना वर्ष समारोह के समापन पर शुक्रवार को पुरा छात्र सम्मेलन आयोजित किया गया। 14 फरवरी 2024 को समारोह की शुरूआत हुई थी और पूरे साल अंतर विद्यालय प्रतियोगिताएं आयोजित कराई गई। शुक्रवार को समापन समारोह एवं पुरा छात्र सम्मेलन के मुख्य अतिथि कॉलेज के ही पुरा छात्र एवं पूर्व प्रधानाचार्य एसएन कर थे। समारोह में सभी पुरा छात्रों, प्रबंध समिति के सदस्यों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की स्मारिका का भी विमोचन किया गया। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष प्रदीप मुखर्जी ने किया तथा सचिव प्रो. असीम कुमार मुखर्जी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रो. रामेंदु राय, अरुण कुमार चट्टोपाध्याय, अंजन कुमार मित्र, अरनव बनर्जी आदि उपस्थित रहे।

कोलकाता–उदयपुर समेत इन शहरों के लिए होली पर चलेंगी स्पेशल ट्रेनें, शेड्यूल जारी

प्रयागराज। होली त्योहार पर रेलवे होली विशेष ट्रेन संचालित करेगा। इसे लेकर रेलवे ने फिलहाल सात ट्रेनों की समय सारिणी जारी की है। ट्रेन नंबर 04068–04067 नई दिल्ली–भागलपुर–नई दिल्ली विशेष ट्रेन नई दिल्ली से 9, 12, 16 और 19 मार्च को संचालित होगी। भागलपुर से इसका संचालन 10, 13, 17 और 20 मार्च को किया जाएगा। ट्रेन प्रयागराज जंक्शन होकर चलाई जाएगी।

विश्व महिला दिवस पर स्तन कैंसर के प्रति किया जागरूक, थिरेपी में हो रहे तकनीकी विकास पर जानकारी साझा

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित ब्रेस्टकॉन 2025 में जाने माने विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। कैंसर के प्रति जागरूक करते हुए इलाज की नई तकनीकि के बारे में जानकारी दी। कांफ्रेंस का उद्घाटन विधायक शहर उत्तरी हर्षवर्धन बाजपेयी ने किया।

विश्व महिला दिवस के अवसर पर, मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग की ओर से आयोजित स्तन कैंसर के निदान, उपचार और प्रबंधन में नवीनतम तकनीक पर केंद्रित ब्रेस्टकॉन में देशभर के प्रख्यात ऑन्कोलॉजिस्ट, सर्जन, रेडियोलॉजिस्ट और चिकित्सा विशेषज्ञों ने भाग लिया।

सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, ने किया। सम्मेलन में स्तन कैंसर उपचार के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित सत्रों का अयोजन किया गया। पहले सत्र में स्तन कैंसर की डायग्नोसिस और अन्य पहलुओं पर चर्चा हुई, जिसमें डॉ. निष्ठा सिंह, डॉ.

कचनार वर्मा और डॉ. श्रेया शुक्ला ने जानकारी दी। अगले सत्र में स्तन कैंसर सर्जरी में आधुनिकतम तकनीक पर व्याख्यान दिए गए। डॉ. प्रोबल नियोगी और डॉ.मयंक त्रिपाठी ने स्तन संरक्षण सर्जरी और स्तन निकालने के बीच तुलना पर चर्चा की।

कीमोथीरेपी, इम्यूनोथीरेपी और हार्मोनल थीरेपी पर आधारित सत्र में डॉ. बी. के. मिश्रा, डॉ. अनुज गुप्ता, और डॉ. अखिल कपूर ने स्तन कैंसर उपचार में हो रहे नवीनतम शोधों की जानकारी दी। रेडिएशन चिकित्सा पर आधारित सत्र में डॉ. रेशम श्रीवास्तव, डॉ. रोहिणी खुराना, और डॉ. अशुतोष मुखर्जी ने रेडिएशन थेरेपी में हो रहे तकनीकी विकास पर जानकारी साझा की।

सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण वृद्ध महिलाओं में स्तन कैंसर के उपचार को लेकर हुआ विचार–विमर्श था। ष्क्या वृद्ध महिलाओं में स्तन कैंसर का आक्रामक इलाज किया जाना चाहिए?ष् इस विषय पर अच्छी चर्चा हुई, जिसमें वाराणसी की डॉ.अंकिता पटेल ने उपचार के पक्ष में तर्क रखे, जबकि डॉ. सुनील चौधरी ने इसके खिलाफ अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस सत्र को डॉ. संतोष सिंह, डॉ.अभिनव अग्रवाल, डॉ. मोहम्मद नावेद आलम, और डॉ. प्रभात पंकज खत्री आदि ने भी चर्चा की। सम्मेलन में प्रो. (डॉ.) एमएलबी भट्ट, प्रो. (डॉ.) एसपी. सिंह , प्रो. (डॉ.) वत्सला मिश्रा, डॉ. अजय सक्सेना, डॉ कविता चावला, आयोजक अध्यक्ष डॉ वीरेन्द्र सिंह और आयोजक सचिव डॉ राधा केसरवानी आदि रहे।

महिला दिवस के शुभ अवसर पर आयोजित हुई काव्यगोष्ठी एवं हुआ पुस्तक का विमोचन

प्रयागराज। आज श्महिला दिवसश के शुभ अवसर पर एक काव्यगोष्ठी का आयोजन, कवि श्री शिवराम उपाध्याय श्मुकुल मतवालाश के आवास पर कविवर डॉ शंभुनाथ त्रिपाठी श्अंशुलश की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस आयोजन के मुख्य अतिथि रविनंदन सिंह एवं विशिष्ट अतिथि श्री राम मिश्र तलब जौनपुरी रहे। इस आयोजन का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। वाणी वंदना रचना सक्सेना ने की। इस अवसर पर रविनंदन सिंह एवं पारुल सिंह राठौर के संयुक्त

लेखन में श्प्रयाग गौरवश एवं मुकुल मतवाला की पुस्तक का भोर गीत विमोचन हुआ। इसके पश्चात महिला दिवस के अवसर पर नारी – विमर्श , नारी उत्थान पर आधारित कविताओं का पाठ करके कवि एवं कवयित्रियों नें शमा बांध दिया। इस अवसर पर उपस्थित रहे मुख्य अतिथि रविनंदन सिंह मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि श्रीराम मिश्र तलब जौनपुरी, कमल नारायण शुक्ल, पारुल सिंह राठौर, उमेश श्रीवास्तव, डॉ प्रदीप चित्रांशी, संजय सक्सेना, रचना सक्सेना, डॉ वीरेन्द्र तिवारी, कमल प्रसाद गिरी, शिवराम गुप्त, शिवराम उपाध्याय, विवेक सत्याशुं डॉ शारदा पाण्डेय, दया शंकर तिवारी आदि। धन्यवाद मुकल मतवाला ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में बोलते हुए शिक्षाशास्त्र विभाग की डॉ. अनामिका ने कहा कि यह दिवस महिला अधिकारों, समानता और लैंगिक न्याय के लिए एक वैश्विक उत्सव है।इस दिन का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना है, ताकि वे सभी क्षेत्रों में अपने अधिकारों और अवसरों का समान रूप से उपयोग कर सकें। इस अवसर

पर बोलते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी श्री प्रवीण श्रीवास्तव ने कहा समाज को महिलाओं के अधिकारों और अवसरों के समानता के महत्व को समझना चाहिये। यह दिन लैंगिक भेदभाव, हिंसा, और असमानता के खिलाफ संघर्ष की आवश्यकता को उजागर करता है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि महिला दिवस न केवल महिलाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने का दिन है, बल्कि यह एक अवसर है, जब हम समाज में लैंगिक समानता की दिशा में किए गए प्रयासों का मूल्यांकन करते हैं और भविष्य के लिए बेहतर कदम उठाने का संकल्प लेते हैं। संगोष्ठी का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र मिश्र ने तथा धन्यवाद ज्ञापन का कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेज प्रकाश चतुर्वेदी ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वयंसेवक और सुधी स्रोतागण उपस्थित रहे।

नेतृत्व के लिए पहले दर्शन बदलेगा, फिर ज्ञान बदलेगा तो चरित्र भी बदलेगा– अरूण जैन

ग्रामीण नेतृत्व विकास के संकल्प के साथ तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

वाराणसी। ग्रामीण नेतृत्व विकास पर महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ वाराणसी में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण में चले गहन मंथन चिंतन के साथ ही प्रशिक्षण का समापन हुआ।

समापन दिवस पर प्रतिभागियों को आनलाइन सम्बोधित करते हुए प्रसिद्ध विचारक डा0 अरूण जैन ने कहा कि सबसे पहले हमें समझने की आवश्यकता है कि नेतृत्व के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और राजनैतिक में से किसी एक की समझ होनी चाहिए और किसी एक क्षेत्र में ही नेतृत्व किया जा सकता है, उन्होंने कहा कि सबसे पहले नेतृत्व करने वाले व्यक्ति का दर्शन बदलेगा फिर ज्ञान बदलेगा और उसके बाद उसका चरित्र बदलेगा तभी वह नेतृत्व के योग्य बनेगा।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री प्रताप सोमवंशी प्रबंधा सम्पादक दैनिक हिंदुस्तान ने अपने सम्बोधन में कहा आज एक व्यवस्थित नेतृत्व की आवश्यकता है, नेतृत्व कर्ता को भेदभाव रहित काम करने की आवश्यकता होती है यदि निष्पक्ष काम करेंगे तो स्वाभाविक नेतृत्व का विकास होगा। उन्होंने एक शेर के माध्यम से अपने सम्बोधन का शुभारंभ किया– रात से जीत तो सकता नहीं, लेकिन ये चिराग रात का नुकसान बहुत करते है।

तीसरी सरकार अभियान के अन्तर्गत पंचपरमेश्वर विद्यापीठ और विश्व युवक केन्द्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रशिक्षण में देश के विभिन्न क्षेत्रों के मनीषी और

विव्दान संदर्भ व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने प्रतिभागियों का ज्ञानार्जन किया।

आचार्य नरेन्द्र देव सभागार महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ आयोजित प्रशिक्षण में प्रशिक्षण के निर्देशक और तीसरी सरकार अभियान व पंचपरमेश्वर विद्यापीठ के संस्थापक चन्द्र शेखर प्राण के साथ ही डा0 गीता शर्मा और डा0 रवि प्रकाश गुप्ता विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान पंडित दीनदयाल उपाधयाय राजकीय कन्या महाविद्यालय सेवापुरी के व्दारा इसका संयोजन किया।

विश्व युवक केन्द्र के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा0 अजीत राय ने अपने सम्बोधन में विश्व युवक केन्द्र के उद्देश्य बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य छोटे स्वयं सेवी संगठनों व्दारा आयोजित कार्यक्रम में तकनीकी जानकारी और सूचना उपलब्धा कराना, विशेषकर जो ग्रुप पिछड़े क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। एनजीओ और समूहों को वैचारिक सहयोग प्रदान करता है। एन आई आर डी हैदराबाद के प्रतिनिधि प्रोफेसर डा0 लाखन सिंह ने उन्नत भारत अभियान के विषय में जानकारी प्रदान की गई।

समूह चर्चा में प्रतिभागियों की चर्चा के बाद निकले बिन्दुओं पर समीक्षात्मक चर्चा करते हुए श्री डा0 राम पप्पू अधिशाषी निदेशक मिशनरी समृद्धि चेन्नई, के व्दारा विगत दिनों हुई समूह चर्चा के सम्बन्धा में समीक्षात्मक विचार प्रस्तुत करते हुए मार्गदर्शित किया। डॉ. रितिका दधीचि असिस्टेंट प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स एसजीटी विश्वविद्यालय गुड़गांव हरियाणा, श्री पंकज त्रिपाठी प्रभारी मिशन समृद्धि उत्तर प्रदेश, श्री राकेश टंडन के व्दारा आयोजन में विशेष सहयोग प्रदान किया गया।

डा मौहम्मद आरिफ विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ वाराणसी ने कहा कि राजनीति शास्त्र विभाग गांधी जी की ग्राम स्वराज्य की परिकल्पना को साकार करने के लिए और पंच परमेश्वर विद्यापीठ के साथ पंचायतों के सुदृढ़ीकरण और नेतृत्व विकास का एक मैमोरेंडम आफ अंडर स्टैंडिंग (एम ओ यू) हस्ताक्षर करने जा रहा है जिसके परिणाम देश को विवेकवान नेतृत्व देने वाले साबित होंगे।

प्रशिक्षण के संचालन की व्यवस्था में श्री विनोद मिश्रा, डा0 प्रशांत कुमार, विपिन मिश्रा प्रयागराज, मीडिया प्रभारी तीसरी सरकार अभियान मुकन्द वल्लभ शर्मा मेरठ, उत्तर प्रदेश के संयोजक प्रमोद चौधरी, चमन सिंह बिजनौर, अमरदीप, रितम्भरा झांसी, ऋषभ कुमार औरंगाबाद बिहार सुनीता प्रयागराज उमेश कुमार चौधरी बलरामपुर, मोहिनी गुप्ता बलरामपुर सुमन, सुषमा मऊ, अरविंद, अंजनी कुमार गिरी बलिया, रितेश कुमार लखनऊ, देव कुमारी सोनभद्र, मंजू शर्मा मुरादाबाद, आनंद कुमारी अमरोहा से मधू सैनी व शिवानी मुजफ्फरनगर एवं राजनीति विज्ञान विभाग पं दीनदयाल उपाधयाय राजकीय कन्या महाविद्यालय सेवापुरी का व्यवस्था में विशेष योगदान सराहनीय रहा।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। आज अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सीएमपी डिग्री कॉलेज के विधि विभाग के बीएएलएलबी(एच) विंग में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम श्एक्सेलरेट एक्शनश पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी छात्राओं को महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता के सन्दर्भ में लघु फिल्में दिखाई गई। इसकी अध्यक्षता बीएएलएलबी(एच) कोऑर्डिनेटर

श्रीमती रेनू सिंह ने की। अपने सम्बोधन में उन्होंने महिलाओं के हित में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बने अधिनियम एवम् उनके विकास के लिए विभिन्न प्रयासों पर प्रकाश डाला उन्होंने महिलाओं की डिजिटल लिट्रेसी के विषय वस्तु को लघु फिल्म के माध्यम से समझाया। डॉ. हरिदर्शन त्रिपाठी ने कहा कि महिलाओं को वास्तविक समानता का अधिकार मिलना चाहिए, तभी उनका विकास हो सकता है। श्री विनय त्रिपाठी ने बच्चों को महिलाओं का सम्मान करने तथा महिलाओं के प्रति किसी भी प्रकार की अभद्र भाषा का प्रयोग न करने का संकल्प दिलाया। श्री हिमांशु उपाध्याय ने महिला सशक्तिकरण से सम्बन्धित अन्तर्राष्ट्रीय प्रयासों पर प्रकाश डाला। डॉ. बबीता श्रीवास्तव ने महिलाओं के सन्दर्भ में नैतिक मूल्यों को बढ़ाने पर बल दिया। श्रीमती अनुश्री पाण्डेय ने नारीवादी सिद्धांत पर प्रकाश डाला। डॉ. प्रमोद कुमार ने महिलाओं के समाजीकरण पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर बीएएलएलबी के छात्र सानिध्य, अनुराग, निवेदिता, अंकिता, स्वाति आस्था, वैभव, रितिका, सौम्या अनुराधा, खुशी, आर्य युवराज सिंह सहित कई अन्य छात्रों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम में बीएएलएलबी (एच) के सभी छात्र और शिक्षक मौजूद रहे।

अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ ने महिलाओं में कैंसर की शुरुआती जाँच के लिए मिशन संकल्प किया लॉन्च

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ के अग्रणी स्वास्थ्य संस्थान,अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स, ने शमिशन संकल्पश की शुरुआत की है, जो महिलाओं में स्तन और सर्वाइकल कैंसर की शुरुआती पहचान और रोकथाम पर केंद्रित है। इस पहल की घोषणा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में की गई, जिसमें महिलाओं में बढ़ते कैंसर की दर को रोकने के लिए नियमित जांच के महत्व पर जोर दिया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की महिला कल्याण, बाल विकास और पोषण मंत्री, श्रीमती बेबी रानी मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने जागरूकता और जांच की आवश्यकता पर बल दिया। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत में महिलाओं में स्तन और सर्वाइकल कैंसर सबसे अधिक पाया जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 5 में से 3 कैंसर मरीज इस बीमारी के कारण अपनी जान गंवा देते हैं, जिससे लगभग 60: की उच्च मृत्यु दर दर्शाई जाती है। अनुमान है कि 2050 तक भारत में कैंसर से संबंधित मृत्यु दर वर्तमान 64.9 प्रति 100,000 जनसंख्या से बढ़कर 109.6 प्रति 100,000 हो सकती है। इस अवसर पर श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने कहा, यह महिलाओं में होने वाले आम कैंसर से लड़ने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। उत्तर प्रदेश में स्तन और सर्वाइकल कैंसर के मामले सबसे अधिक हैं, लेकिन जांच की दर चिंताजनक रूप से कम है। सरकार इस दिशा में लगातार प्रयास कर रही है, और जागरूकता फैलाने के लिए कदम उठा रही है, लेकिन अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ द्वारा 40 वर्ष से अधिक उम्र की सभी महिलाओं के लिए मुफ्त जांच की यह पहल हमारे प्रयासों को मजबूती प्रदान करेगी और इस बीमारी के बोझ को कम करने में मदद करेगी। यह प्रयास निश्चित रूप से महिलाओं को अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित करेगा। अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ के एमडी और सीईओ, डॉ. मयंक सोमानी ने शुरुआती जांच के महत्व पर जोर देते हुए कहा, ष्वर्तमान में, उत्तर प्रदेश में केवल 1.5: महिलाएं सर्वाइकल के कैंसर की जांच करवाती हैं, और केवल 1: महिलाएं स्तन कैंसर की जांच करवाती हैं। अधिकतर मामलों का देर से पता चलता है, जिससे इलाज कठिन हो जाता है। प्डत की रिपोर्ट दर्शाती है कि महिलाओं में कैंसर का बोझ असमान रूप से अधिक है, और उनकी मृत्यु दर तेजी से बढ़ रही है। नियमित जांच से मृत्यु दर को कम किया जा सकता है और मरीजों के लिए बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।ष इस बढ़ती समस्या का समाधान करने के लिए, अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ ने शमिशन संकल्पश लॉन्च किया है, जिसके तहत 8 मार्च 2025 से अगले एक वर्ष तक 40 वर्ष से अधिक उम्र की सभी महिलाओं के लिए मुफ्त मैमोग्राफी और पैप स्मीयर टेस्ट प्रदान किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य है कि महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए प्रेरित किया जाए, स्तन और सर्वाइकल के कैंसर की शुरुआती पहचान के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाए, समय पर हस्तक्षेप और उपचार के माध्यम से कैंसर से संबंधित मृत्यु दर को कम किया जाए। मैमोग्राफी स्तन कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जबकि पैप स्मीयर टेस्ट सर्वाइकल के कैंसर का पता लगाने में मदद करता है। इन जांचों को निःशुल्क उपलब्ध कराकर, अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने और उनके जीवन की रक्षा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, संरचना, ठहराव, दिन एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	प्रस्थान के दिन	विस्तारित तिथि
03251	दानापुर- सर एम.विश्वेश्वरय्या टर्मिनल, बेंगलुरु	सोम., मंगल.	09.03.25 से 26.05.25 तक
03252	सर एम.विश्वेश्वरय्या टर्मिनल, बेंगलुरु - दानापुर	मंगल., बुध.	11.03.25 से 28.05.25 तक
03259	दानापुर- सर एम.विश्वेश्वरय्या टर्मिनल, बेंगलुरु	मंगल.	11.03.25 से 27.05.25 तक
03260	सर एम.विश्वेश्वरय्या टर्मिनल, बेंगलुरु - दानापुर	गुरु.	13.03.25 से 29.05.25 तक

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App. या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 446/25(D)

होली विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित होली विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 04153/04154 कानपुर सेन्ट्रल-कोलकाता सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में 02 दिन)

गाड़ी सं. 04153 कानपुर सेन्ट्रल-कोलकाता			गाड़ी सं. 04154 कोलकाता-कानपुर सेन्ट्रल	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	14:00	कानपुर सेन्ट्रल	04:30	--
15:10	15:12	फतेहपुर	02:18	02:20
16:40	16:45	प्रयागराज जं.	01:05	01:10
17:55	17:57	मिर्जापुर	22:38	22:40
19:40	19:50	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	20:40	20:50
21:00	21:02	सासाराम	19:48	19:50
21:20	21:22	डेहरी ऑनसोन	19:15	19:17
22:35	22:40	गया	18:10	18:15
23:50	23:52	कोडरमा	16:50	16:52
00:45	00:47	गोमो	16:10	16:12
01:40	01:45	धनबाद	15:30	15:35
02:50	02:55	आसनसोल	13:52	13:57
03:30	03:32	दुर्गापुर	13:19	13:21
04:56	04:58	बर्द्धमान जं.	12:20	12:22
07:50	--	कोलकाता	--	10:45

कानपुर सेन्ट्रल से गाड़ी सं.04153 प्रत्येक सोमवार एवं गुरुवार दिनांक 10.03.2025 से 31.03.2025 तक।
कोलकाता से गाड़ी सं.04154 प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार दिनांक 11.03.2025 से 01.04.2025 तक।

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 447/25 FA

होली का त्योहार

(कुण्डलिया)

सबके दिल में प्रेमभर,करिए खूब धमाल।
होली का त्योहार है,खेलो रंग–गुलाल।
खेलो रंग–गुलाल,उड़ाओ गुझिया पापड़।
खाना मत अति भंग,करोगे बड़बड़ बड़बड़।
सुन लो कहें प्रदीप,चलो अब खेलो जमके।
लेकिन डालो रंग, जमे जो तन पर सबके।।

आम–वृक्ष रहता सदा,केवल बनकर आम।
इसीलिए फागुन करे,झुककर नेह प्रणाम।
झुककर नेह प्रणाम, मधुरता को कर धारण।
दिल में भरकर प्यार,करे फिर कष्ट– निवारण ।
सुन लो कहें प्रदीप, बात जो हरि की करता।
हरदम रहे प्रसन्न, वही आम–वृक्ष रहता।।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के ऋषभ राजभाषा विभाग द्वारा सम्मानित

वेल्लूर। भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स, रानीपेट में कार्यरत ऋषभ को गत दिनों दो अलग–अलग संवर्गों में प्रमाण पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के अधीन हिंदी के प्रचार–प्रसार के लिए बनी समिति नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, वेल्लूर द्वारा ऋषभ को यह सम्मान दिया गया।

यह कार्यक्रम बीएसएनएल के वेल्लूर कार्यालय में आयोजित की गई, जहां बीएसएनल के प्रधान महाप्रबंधक और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति वेल्लूर के अध्यक्ष श्री ए बी श्रीकुमार ने प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया। इस क्षेत्र में अवस्थित भारत सरकार के कार्यालयों, बैंकों, बीमा कंपनियों और उपक्रमों में कार्यालय के कामकाज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्व्ययन समिति, वेल्लूर का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता का दायित्व बीएसएनल के प्रधान महाप्रबंधक को दिया गया है। कार्यालय में हिन्दी में कामकाज को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, वेल्लूर के तत्वावधान में बीएसएनल द्वारा दिसंबर माह में कई कार्यक्रम आयोजित की गई थी, जिसके विजेताओं को आज सम्मानित किया गया। ऋषभ के इस उपलब्धि पर भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, रानीपेट के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी । साथ ही यह उम्मीद जताई कि आगे भी ऋषभ हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए काम करते रहेंगे।

ई–रिक्शा ड्राइवर पुलिस की लाठी से बेहोश, चौकी के बाहर चालकों का बवाल

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के निशातगंज में पुलिस की पिटाई से ई–रिक्शा ड्राइवर बेहोश हो गया। इसके बाद चौकी के बाहर सभी ड्राइवर जुट गए और हंगामा करने लगे। ई–रिक्शा चालक यूनियन ने कहा कि दोबारा ऐसा हुआ तो पूरा शहर जाम कर देंगे। मौके पर पुलिस टीम पहुंची और सभी को समझाने का प्रयास किया। ई–रिक्शा चालकों ने पुलिस पर लाठी मारकर भगाने का आरोप लगाया। ई–रिक्शा चालकों का कहना है कि पुलिस की लाठी से नूर मोहम्मद नाम का ड्राइवर बेहोश हो गया।

सोनागिर स्टेशन पर रेलगाड़ियों का अस्थाई ठहराव

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए **श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र के वार्षिक जैन मेला के दौरान सोनागिर स्टेशन पर दिनांक 10.03.2025 से 20.03.2025 तक निम्नलिखित मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों के 1 मिनट का अस्थाई ठहराव** प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

क्रम सं0	रेलगाड़ियों का विवरण
1	11107/11108 ग्वालियर जं.-बनारस बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस (प्रतिदिन)
2	11123/11124 ग्वालियर जं.- बरौनी जं. मेल (प्रतिदिन)
3	19665/19666 उदयपुर सिटी- खजुराहो एक्सप्रेस (प्रतिदिन)
4	18237/18238 कोबरा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस (प्रतिदिन)

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Railmadad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 438/25 (C)

सम्पादकीय.....

जेबों की सर्जरी

यह खबर परेशान करती है कि देश के करोड़ों मरीज पहुंच से बाहर के महंगे इलाज के कारण गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। वे कथित रुप से दूसरे भगवान कहे जाने वाले शख्स के आगे बेबस नजर आते हैं। खासकर बड़े आप्रेशनों व उपकरणों से लेकर महंगी दवाओं को लेकर। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने मरीजों की दुखती रग को समझते हुए केंद्र व राज्य सरकारों से निजी अस्पतालों में मरीजों का शोषण रोकने के लिये नीतिगत फैसला लेने को कहा है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि देशवासियों को चिकित्सा का बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना राज्यों का कर्तव्य है। निर्विवाद रूप से राज्य सरकारें ऐसा करने में विफल रही हैं। इसके बावजूद कि उन्होंने बड़े अस्पतालों को जमीन आदि तमाम सुविधाएं रियायती दरों पर दी हैं। ऐसे में वे गरीब मरीजों को राहतकारी इलाज देने के लिये बड़े अस्पतालों को बाध्य कर सकती थीं। वैसे चुनावों के दौरान तमाम तरह के सब्जबाग दिखाने वाले राजनीतिक दलों के एजेंडे में चिकित्सा सुविधा सुधार कभी प्राथमिकता नहीं रही। यदि सार्वजनिक चिकित्सा का बेहतर ढांचा उपलब्ध होता तो लोग निजी अस्पतालों में जाने को मजबूर न होते। यदि निगरानी तंत्र मजबूत होता और प्रभावी कानून होते तो मरीजों को दोहन का शिकार न होना पड़ता। यदि मरीजों से निजी अस्पतालों में मनमानी रकम वसूली जाती है तो यह राज्य सरकारों की छवि पर आंच है कि वे मरीजों को किफायती उपचार उपलब्ध कराने में विफल रही हैं। यही वजह है कि शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि मरीजों को उचित मूल्य वाली दवाइयां न मिल पाना राज्य सरकारों की नाकामी को ही दर्शाता है। इतना ही नहीं राज्य सरकारें निजी अस्पतालों को न केवल सुविधाएं प्रदान करती हैं बल्कि उन्हें प्रोत्साहन भी देती हैं। सरकारों का यह दावा अतार्किक है कि मरीजों के तिमारदारों के लिये निजी अस्पताल के मेडिकल स्टोरों से दवा खरीदने की बाध्यता नहीं है। दरअसल, अस्पताल की फार्मेसी या खास मेडिकल स्टोरों से दवाइयां खरीदना तिमारदारों की मजबूरी बन जाती है। उन्हें खास ब्रांड की दवा व उपकरण खरीदने के निर्देश होते हैं। दरअसल, खुले बाजार में उनकी उपलब्धता और गुणवत्ता को लेकर आशंका होती है। असल में, यह नीति–नियंताओं की जवाबदेही है कि वे मरीजों और उनके परिवारों को शोषण से बचाने के लिये दिशा–निर्देश तैयार करें। हालांकि, यह इतना भी आसान नहीं है क्योंकि विभिन्न हितधारकों के दबाव अकसर सामने आते हैं। जैसा कि वर्ष 2023 में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को उस समय कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था जब उसने डॉक्टरों से कहा था कि वे ब्रांडेड दवाएं न लिखें। उसके स्थान पर जेनेरिक दवाएं लिखें, ऐसा न करने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा बिरादरी ने तब दबाव बनाते हुए कहा था कि दवाओं की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। जिसके बाद यह आदेश जल्दी ही वापस लेना पड़ा था। इसके अलावा ब्रांडेड दवाओं के निर्माताओं ने भी दबाव बनाया था, जो कि जन–कल्याण के बजाय बड़े पैमाने पर मुनाफे को प्राथमिकता देते रहते हैं। वैसे निजी अस्पतालों द्वारा दवाओं के जरिये पैसा कमाने की वजह यह भी है कि सरकारी जन–औषधि केंद्रों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है। ये केंद्र, जिनकी देश में संख्या पंद्रह हजार के करीब है, देश के सभी जिलों को कवर करते हैं। ये केंद्र नागरिकों को सस्ती कीमत पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के लिये बनाये गए थे। लेकिन, ये केंद्र दवाओं की कमी,गुणवत्ता के नियंत्रण के अभाव और ब्रांडेड दवाओं की अनधिकृत बिक्री की समस्याओं से ग्रसित रहे हैं। निश्चित रूप से औषधि विनियामक प्रणाली में सुधार करने से तमाम असहाय रोगियों की परेशानियों को कम करने में मदद मिल सकती है। एक रिपोर्ट बताती है कि सरकारी अस्पतालों की तुलना में निजी अस्पतालों का खर्च सात गुना होता है। खासकर कोरोना काल के बाद चिकित्सा खर्च में खासी बढ़ोतरी हुई है। निस्संदेह, राज्य सरकारों को इस मुद्दे पर व्यापक दृष्टिकोण से विचार कर उचित गाइडलाइंस बनानी चाहिए। निजी अस्पतालों व मरीजों के हितों के मद्देनजर राज्य सरकारों के संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।

अर्थव्यवस्था की चाह बनाम चुनावी दबाव

अरविन्द मोहन

जिस समय शेयर बाजार गोते लगा रहा हो और निवेशकों के लाखों करोड़ देखते–देखते स्वाहा हो रहे हों, जब डालर के खिलाफ रुपए की गिरावट रोकने के लिए सरकार मुश्किल से काम आए लाखों–करोड़ों डालर बाजार में उतारे और वे भी गिरावट को न रोककर खुद स्वाहा हो जाएं और जब सोना देखते–देखते नब्बे हजार प्रति दस ग्राम को छूता नजर आए तब यह कहना बहुत जोखिम और दिलेरी का काम है कि हमारी अर्थव्यवस्था काफी समय बाद मजबूती के लक्षण दिखा रही है और उसके बुनियादी पैमाने ऊपर की दिशा का ही रुख बनाए हुए हैं। और जब मोदी राज में आर्थिक प्रबंधन के हिसाब से केन्द्रीय भूमिका वाले शक्तिकान्त दास को रिजर्व बैंक के गवर्नर पद से सेवानिवृत्त होने के बाद प्रधानमंत्री का दूसरा प्रधान सचिव बनाने जैसा अपूर्व काम हुआ हो तब यह कहना भी मुश्किल है कि सरकार को आर्थिक मोर्चे की भारी हलचलों की परवाह नहीं है। शक्तिकान्त दास कोई बहुत भारी अर्थशास्त्री न हों और न ही उन्होंने सरकार में वित्त सचिव या रिजर्व बैंक का गवर्नर रहते कोई बहुत क्रांतिकारी कदम उठाया हो लेकिन इतना तो उनके पक्ष में जाता है कि मोदी सरकार के बुनियादी स्वभाव से उनका मेल है और उन्होंने अपनी प्रशासनिक जिम्मेवारियां उसी हिसाब से निभाई हैं। मोदीजी के नोटबंदी जैसे मुश्किल और गलत फैसले के बीच अर्थव्यवस्था और मुद्रा व्यवस्था को संभालना कोई आसान काम न था। जिस हिसाब से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने ऊटपटांग आर्थिक फैसलों से दुनिया भर में हड़कंप मचाए हुए हैं उसके बीच अपनी अर्थव्यवस्था की मजबूती के कोंपलों को संभालना और इसे एक स्वाभाविक विकास की तरफ ले जाना कोविड की तालाबंदी और नोटबंदी को संभालने से भी ज्यादा मुश्किल है। जब वैश्विक उथल–पुथल हो और बड़े जतन से बने विश्व व्यापार संगठन वाली व्यवस्थाओं को भी बेमानी बनाने का अभियान अमेरिकी राष्ट्रपति चलाएं तब निवेशकों और पूंजी का डर जाना बहुत स्वाभाविक है। बाइडन राज में अमेरिकी बांड और बैंकों की रकम पर कमाई का भरोसा बढ़ने से भी भारत समेत दुनिया भर के बाजारों से पूंजी अमेरिका गई थी। फिर चीन ने अपने निवेश नियम आसान किए और करों की छूट शुरू की तो उसने भी बड़े पैमाने पर पूंजी आकर्षित की। अब ट्रम्प द्वारा आयात पर कर बढ़ाने और कई देशों को सीधे धमकाने से बाजार में बेचैनी है। जाहिर तौर पर ऐसे वक्त निवेशक के लिए शेयर बाजार की अनिश्चितता से हटकर डालर, अमेरिकी सरकारी बांड और सोने में पैसा लगाना ज्यादा भरोसे का सौदा है। इसलिए बाजार में गिरावट के साथ डालर की महंगाई और सोने की बेतहाशा मांग बढ़ी है। वैश्वीकरण के युग में हम, खासकर बाजार इससे अछूते नहीं रह सकते। जनवरी का विदेश व्यापार का आंकड़ा भी बताता है कि सिर्फ चालू घाटे के मामले में ही नहीं आइटम के हिसाब से भी हमारा विदेश व्यापार बेहतर हुआ है। वैश्विक स्तर पर सोने की मांग बढ़ने के के बावजूद सोना–प्रेमी भारत में आयात नहीं बढ़ा है। पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में वैश्विक तेजी के बावजूद हमारे आयात बिल में ज्यादा वृद्धि नहीं हुई है और तेल उत्पादों तथा गहनों के अलावा बाकी चीजों के निर्यात में तेजी दिखी है। महंगाई का सामान्य ग्राफ काफी समय से नियंत्रण में रहने के बाद सरकार और रिजर्व बैंक को यह भरोसा हुआ है कि लंबे समय बाद पहली बार बैंक दरों में पचीस प्वाइंट की कमी की गई। इससे लोन आसान होगा और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। इस तेजी का इंतजार बाकी सभी क्षेत्रों में है और सरकार अलोकप्रियता या स्थिति हाथ से निकलने के डर से कई चीजों को रोके हुए है और अब अर्थव्यवस्था में मांग कम होने, ऋ ण मांगने वालों में कमी आने जैसे लक्षण भी दिखने लगे थे। इधर बेरोजगारी के मामले में भी बेहतर आंकड़े देखने में आए हैं। जिस एक चीज से आर्थिक जानकार सबसे ज्यादा आश्वस्त हुए हैं वह है खेती के नतीजे। खरीफ की फसल अच्छी होने के बाद अब रबी के भी रिकार्ड पैदावार की उम्मीद की जा रही है। इन्हीं सबका नतीजा है कि इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में विकास दर आधे फीसदी से ज्यादा ऊपर दिखाई देने लगा है जबकि दूसरी तिमाही में यह बहुत कम था। इस संकेत से यह उम्मीद मजबूत हुई है कि दुनिया में चाहे जो उठापटक चले भारत के आर्थिक विकास पर ज्यादा असर नहीं होगा। बुरा हो या अच्छा, पर अभी तक जीडीपी में विदेश व्यापार का हिस्सा ज्यादा बड़ा न होने से भी हम सुरक्षित हैं और यह बात बाहर की दुनिया को कुछ देर से मालूम हुई हो लेकिन सरकारी तंत्र को सिंगनल पहले से मिल रहे होंगे। यह बात हमारा बजट भी बताता है। हमारा राजकोषीय घाटा पहली बार साढ़े चार फीसदी के नीचे आया और हर बार टैक्स कलेक्शन का रिकार्ड बनना बताता है कि अर्थव्यवस्था का नान–फार्मल से फार्मल होने का अभियान चलाने के साथ ही वांछित दिशा में भी प्रगति हो रही है। यह वांछित दिशा क्या हो इस पर बहस हो सकती है लेकिन सरकार अपने अभियान में, जो काफी हद तक भूमंडलीकरण के अभियान से संचालित था या वोट पाने की हल्की राजनीति से, सफल रही है। आज नए सिरे से रेवड़ी बनाम अच्छा आर्थिक प्रशासन का मुद्दा उठाने लगा है पर बहस सही दिशा में नहीं चली है। संयोग से बजट ही इस विरोधाभास को सबसे अच्छी तरह बता भी देता है। इस बार के बजट का सबसे चर्चित फैसला आयकर की सीमा को बारह लाख करना था। यह काम पिछले बजट में नहीं किया गया जबकि वह लोक सभा चुनाव के पहले का आखिरी बजट था। उस चुनाव के नतीजों और अन्य संकेतों से लग गया कि मध्य वर्ग भाजपा और नरेंद्र मोदी से दूर हो रहा है तो इस भारी–भरकम राहत के जरिए उसे पटाया गया। माना जाता है कि दिल्ली में भाजपा की जीत में उससे भी मदद मिली।

बजट के इस पक्ष को भुला दिया गया (राजकोषीय अनुशासन की बात को भी) कि सरकार के लिए अब संरचना क्षेत्र में ज्यादा खर्च करना संभव नहीं है। वह क्षेत्र लगभग अघा चुका है। हर दस साल में देश के सभी राजमार्गों को खोदकर दोबारा बनाया जाए तब भी सरकारी खजाना तय रकम नहीं खर्च कर सकता। संविधान द्वारा सड़क (राष्ट्रीय राजमार्ग), रेल, रक्षा, हवाई अड्डा और बंदरगाहों पर ही निवेश की सीमा तय करने से ऐसी स्थिति आई है। इसलिए कितने हवाई अड्डे और कितने माडल स्टेशन और कहां–कहां बनाए की बात होती है इसे भी याद करें। बड़ा सवाल यही है कि सरकार की प्राथमिकता क्या हों। वह अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखे या चुनाव और चुनावी चंदे को। असली मुश्किल यही है कि हर बार अर्थव्यवस्था कमर कसकर आगे आती है और हर बार चुनाव उसकी छाती के ऊपर बैठ जाता है।

महिला ही क्यों हो रसोई की रानी, पुरुष महाराज क्यों नहीं?

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

पुरुष यूं तो रसोई में सदियों से है और क्या खूब है, लेकिन जब बात परिवार की रसोई में काम करने की आती है तो वे सिरे से गायब हो जाते हैं। परिवार नामक इकाई में खाना बनाना केवल स्त्री का दायित्व है। पुरुष कभी–कभार किचन में आते भी हैं तो वह किसी उत्सव से कम नहीं होता। प्याज, टमाटर, मसाले तैयार कर दो तो साहब मसालेदार डिश बना देंगे। फिर घर में सिर्फ वाह–वाही होगी। बातें होंगी कि साहब यूं तो बाहर जाकर रोजी करते हैं, लेकिन आज तो रोटी भी बनाई है। महिलाओं के जिम्मे खाना बनाने का यह काम हमेशा बिना भुगतान के ही रहा है। हिसाब लगाया जाए कि जो काम महिलाएं घर में करती हैं, उसे चुकाया जाए तो उनके बैंक खाते हमेशा एक मोटी रकम से भरे रहें। होता तो यह है दिन–रात के श्रम के बावजूद जीवन की सांध्य बेला में महिलाओं के पास अपनी कोई बचत की रकम भी नहीं होती। जो काम करती हैं उनके लिए भी काम और परिवार के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। श्वर्क लाइफ बैलेंसश सहयोग की मांग करता है। जो इस संतुलन को साध लेती हैं, वे आगे बढ़ जाती हैं और शेष काम को त्याग परिवार चुन लेती हैं। महिला प्रगति के लिहाज से इस जगह आकर तनिक राहत मिल जाए तो आधी आबादी का काम काफी आसान हो जाएगा, वरना तो घर संभालने की कध्वायद सबसे पहले उसका जॉब ही खाती है। हर रोज रसोई में उत्सव जैसे खाना बनाते रहने की चक्की में महिला किस कदर पिसती जाती है, इस मुद्दे को सलीके से दर्शाने वाली एक फिल्म की इन दिनों खूब चर्चा है। इस दौर में भी आखिर क्यों मछली जल की रानी है की तज र्पर एक महिला को किचन की रानी बना दिया गया है, पुरुष क्यों नहीं रसोई का महाराज हो सकता? समाज भी ऐसी ही महिलाओं का आदर करता है जो भोजन के षडरस को परोसते हुए जिन्दगी बसर करती है। क्यों किसी भी काम को लिंग के आधार पर बांट दिया जाना चाहिए? जब भूख सबको बराबर लगती है तो फिर रसोई सिर्फ एक की जिम्मेदारी क्यों हो? यहां तक कि बड़े हो गए बच्चे, घर आये मेहमान सभी का योगदान इसमें क्यों नहीं होना चाहिए? सबकी पसंद की चीजें बनाने और वक्त का ध्यान रखने वाली सुघढ़ गृहिणी का खिताब उसे अपने सपनों की कीमत पर ही क्यों मिलता है? आज की पढ़ी–लिखी लड़की इस माहौल में घुटने लगती है। इसी मुद्दे पर बनी फिल्म शमिसेजश में दिखाया गया है कि ससुरजी को चटनी तो सिलबट्टे की ही चाहिए। मिक्सी में पोषक तत्व कट जाते हैं जबकि कूटने पर बने रहते हैं। बिरयानी तो दम की बेहतर होती है– घंटों धीमी आंच पर पकी हुई। फुल्का तो गर्म ही परोसा जाए जो दौड़ते हुए टेबल तक आए। और हां, घर का कोना–कोना साफ और चमकदार होना चाहिए। ससुरजी को धूल से एलर्जी है। चप्पल भी बिस्तर के नीचे रखी हुई मिलनी चाहिए। लगता है जैसे किसी बीमार की सेवा हो रही है। साथ खाने का तो कोई रिवाज ही नहीं। ससुरजी की ऐसी ही आदतें सासु मां ने सहेजी हैं और अब उनके बेटे को भी पत्नी से ऐसी ही उम्मीद है। पत्नी को डांस में दिलचस्पी है पर ये भले घर के लोग, उसके पुराने वीडियो भी सोशल मीडिया से डिलीट करवाना चाहते हैं। करवा चौथ के दिन घर के पुरुष सदस्य छककर खाना खाते हुए कह रहे हैं कि कुछ भी कहो, हमारी प्राचीन परंपराएं हैं बड़ी वैज्ञानिक। ऐसे तमाम दृश्य आरती कडव निर्देशित और अनु सिंह चौधरी के संवाद और पटकथा लेखन वाली फिल्म शमिसेजश रचती है जो इन दिनों हर भारतीय को छू रही हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत के मध्यम वर्ग की आधी आबादी अब भी शेष आधी आबादी को खाना पकाकर देने में ही जुटी हुई है। मिसेज श्द ग्रेट इंडियन किचनश का रीमेक है। भारत में कामकाजी महिलाओं की संख्या लगातार घट रही है। यहां तक कि नेपाल, भूटान और श्रीलंका भी हमसे आगे हैं। महिलाओं के कामकाजी होने के रिकॉर्ड में दुनिया का औसत भी कुछ खास अच्छा नहीं है। केवल 40 फीसदी जबकि बहामा में यह सर्वाधिक 90 प्रतिशत है। जी–20 देशों के समूह में भी कामकाजी भारतीय महिलाओं की हिस्सेदारी सबसे कम है। हमारे कुल कार्यबल में भागीदारी 24 प्रतिशत के आसपास है, जो कुवैत (27.8) और सऊदी अरब (35) से भी कम है। 2005 में भारत में कामकाजी महिलाओं की संख्या 27 फीसदी थी जो 2021 में घटकर 23.54 फीसदी रह गई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के 2020 में जारी एक सर्वे में पाया गया है कि 81.2 प्रतिशत महिलाएं अवैतनिक घरेलू सेवाओं में लगी हुई हैं जबकि पुरुषों के लिए यह संख्या 26 प्रतिशत है। इसका आशय है कि वे घरेलू कामकाज, बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल में लगभग दस गुना ज्यादा समय दे रही हैं। अगर भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है तो महिलाओं को इसमें शामिल किया ही जाना चाहिए। 2020 में नोबेल पुरस्कार विजेता क्लाउडिया गोल्डीन कहती हैं–सभी महिलाएं काम करती हैं लेकिन सभी को वेतन नहीं मिलता।श देखा जाए तो महिलाएं पुरुषों की तुलना में सप्ताह में ज्यादा काम करती हैं लेकिन वे कम अवकाश वाली थकी हुई महिलाएं हैं। फिल्म रूह्मह्य. के अंत की खूब आलोचना हो रही है क्योंकि नायिका पति से अलग हो जाती है और डांस को अपना लेती है। उसके पति को दूसरी बीवी मिल जाती है जो वही सब कर रही होती है जो नायिका की अर्थशास्त्र में पीएचडी कर चुकी सास कर रही थी। आलोचकों को एतराज है कि दूसरी बीवी को फिर से गर्म फुल्के बनाते हुए दिखाने की जरूरत नहीं थी, इससे पितृसत्ता का किला वहीं खड़ा दीखता है। यह ध्वस्त नहीं होता। उन्हें लगता है कि फिल्म वहीं खत्म हो जानी चाहिए थी जहां नायिका घर छोड़ती है। दरअसल जो फिल्म में दिखाया गया है वही सच है। अलग हुए पतियों को ही नहीं, दहेज के दोषियों तक को यहां दुबारा मिसेज मिल जाती हैं। जब तक यह सिलसिला नहीं टूटेगा, पितृसत्ता के मजबूत किले कभी ध्वस्त नहीं होंगे। किसी को लगता है कि नायिका को रण भी नहीं छोड़ना चाहिए था। तब क्या इसी घुटन में दम तोड़ देना चाहिए था? सौ साल पहले रवींद्रनाथ टैगोर ने भी मृणाल नामक किरदार की रचना की थी जिसने समाज में स्त्री के हालात और भेदभाव से दुखी होकर वैवाहिक जीवन और परिवार का त्यागकर जगन्नाथ की राह पकड़ ली थी। मार्ग मीरा का भी वही था। श्मृणाल की चिठ्ठीश शीर्षक से इस कहानी में मृणाल कहती है– मैं सिर्फ आपके घर की छोटी बहू नहीं हूं। मैं मैं हूं.. । कहा जा सकता है कि मिसेज बन जाना पहचान का खोना नहीं होना चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस महिला दिवस पर महिलाएं अपने दिल की सुनने के और करीब होंगी और शेष समाज उनके साथ। अनामिका की कविता फर्नीचर भी बहुत कुछ कहती है– मैं उनको रोज झाड़ती हूं पर वे ही हैं इस पूरे घर में जो मुझको कभी नहीं झाड़ते! रात को जब सब सो जाते हैं– अपने इन बरफाते पांवों पर आयोडिन मलती हुई सोचती हूं मैं– किसी जनम में मेरे प्रेमी रहे होंगे फर्नीचर, कठुआ गए होंगे किसी शाप से ये! मैं झाड़ने के बहाने जो छूती हूं इनको, आंसुओं से या पसीने से लथपथ– इनकी गोदी में छुपाती हूं सर– एक दिन फिर से जी उठेंगे ये! थोड़े–थोड़े–से तो जी भी उठे हैं। गई रात चूं–चूं–चूं करते हैं। ये शायद इनका चिड़िया का जनम है, कभी आदमी भी हो जाएंगे! जब आदमी ये हो जाएंगे, मेरा रिश्ता इनसे हो जाएगा क्या वो ही वाला जो धूल से झाड़न का?

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

असह्य हो चला है भारत का अपमान

दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनकर आये डोनाल्ड ट्रम्प के फैसले भारत के लिये हानिकारक तो हैं ही, अपमानजनक भी हैं। यह ऐसे वक्त में हो रहा है जब ट्रम्प ने दुनिया भर के खिलाफ ट्रेड वार की शुरुआत कर दी है। कारोबारी पृष्ठभूमि से आये ट्रम्प की दिलचस्पी व्यवसायों के बूते दुनिया पर राज करने में है। वे जानते हैं अब विश्व विजेता सैन्य शक्ति के बल पर सम्भव नहीं, न परम्परागत साम्राज्यवादी तरीके से दुनिया मुत्रठी में की जा सकती है। उनके इन खतरनाक विचारों को दुनिया समझ चुकी है। कुछ देश नयी परिस्थितियों का मुकाबला करने के लिये खुद को तैयार कर रहे हैं। चीन जैसा देश तो न केवल व्यवसाय के स्तर पर बल्कि जरूरत पड़ी तो उससे युद्ध के मैदान में भी दो–दो हाथ करने की तैयारी कर रहा है। बहुत छोटे–छोटे देश भी अपनी सम्प्रभुता व प्रतिष्ठा को बचाने के लिये कृतसंकल्पित हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को न तो खुद के सम्मान की चिंता है और न ही देश की प्रतिष्ठा की। इससे उत्साहित ट्रम्प हर रोज भारत का अपमान कर रहे हैं। अमेरिकी इरादों से निपटने की यहां कोई तैयारी नहीं दिखती। शुरुआत करें तो ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह से। अमेरिकी राष्ट्रपति के वर्ष 2020 के चुनाव में पद की गरिमा और अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकोल को ताक पर रखकर मोदी ने अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान उनके पक्ष में यह कहकर प्रचार किया था कि श्अब की बार ट्रम्प सरकारश। उसी ट्रम्प ने 2024 का चुनाव जीतने के बाद जब पद सम्हाला तो मोदी को आमंत्रित तक नहीं किया। भारत के दुश्मन देश चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग बुलाये गये, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर गये और यहां तक कि भारत के सर्वाधिक अमीरों में से एक मुकेश अंबानी सपत्नीक आमंत्रित थे। जयशंकर कई दिनों तक मोदी के लिये आमंत्रण पाने की आस व जुगाड़ में वाशिंगटन डीसी में बैठे रहे फिर भी उन्हें नहीं बुलाया गया। तो भी मोदी ने उन्हें बधाइयां देने के लिये उद्देश्यहीन यात्रा की। ट्रम्प ने द्वीपक्षीय अनुबन्ध के नाम पर अमेरिका से पुराने व पॉयलेटों के लिये खतरनाक हो चुके एफ–35 लड़ाकू विमान तथा महंगी दरों पर प्राकृतिक गैस व तेल खरीदी के लिये उनके दस्तखत ले लिये। इतना ही नहीं, उनके पहुंचने के पहले से लेकर ट्रम्प भारत की आयात–निर्यात नीति की लगातार आलोचना यह कहकर कर रहे थे कि भारत दुनिया के उन देशों में से एक है जिसका शुल्क सबसे ज्यादा है जिसके चलते भारत के साथ व्यापार मुश्किल है। उन्होंने मोदी की उपस्थिति में साफ कर दिया कि वे रेसिप्रोकल नीति अपनाएंगे। यानी भारत अमेरिकी वस्तुओं पर जितना शुल्क लगायेगा, उतना ही अमेरिका भी भारतीय वस्तुओं पर लगायेगा। इसके विपरीत अब ट्रम्प ने ऐलान कर दिया है कि वे विदेशी वस्तुओं पर 100 फीसदी शुल्क लगाएंगे, जिनमें भारत भी शामिल है। ट्रम्प की इस दादागिरी का जवाब देते हुए चीन ने भी बराबरी का शुल्क लगाने की घोषणा कर दी है जबकि भारत इसका जवाब कैसे देगा, यह अब तक स्पष्ट नहीं। व्यवसायिक हलकों में कहा जा रहा है कि इससे भारत के आयात–निर्यात को बड़ा झटका लग सकता है। अपमान की अगली श्रृंखला में ट्रम्प ने कई देशों के अवैध प्रवासियों को वापस भेजने का बीड़ा उठाया। वे उनके बारे में खराब शब्दों का प्रयोग तक करते रहे हैं। कई देशों के लोगों को उन्होंने वापस भेजा लेकिन कोलंबिया, मैक्सिको आदि देशों ने अपने नागरिकों की सम्मानजनक वापसी कराई जबकि भारतीयों को हथकड़ी–जंजीरों में बांधकर भेजा गया। ट्रम्प को इसमें इसलिये कठिनाई नहीं आई क्योंकि स्वयं भारत सरकार ने उसके इस कार्य को जायज ठहराया। ट्रम्प व उनके खास दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी एलन मस्क हर रोज दुनिया भर से अमेरिका आये अवैध प्रवासियों को गालियां देते हैं लेकिन सिर्फ भारतीयों को बेड़ियों में भेजते हैं क्योंकि बाकी देश और उनका नेतृत्व अपने नागरिकों के साथ खड़ा रहता है। वैसे ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू को बुलाया गया जिसने अपने साथियों के साथ जयशंकर की उपस्थिति में खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाये व उसका झंडा फहराया। उनकी बढ़ती हिम्मत का ही परिणाम है कि गुरुवार की सुबह (भारतीय समयानुसार) अपनी ब्रिटेन यात्रा के दौरान जब जयशंकर लंदन के चौथम हाउस से निकले तो इन्हीं खालिस्तानियों ने उनके सामने तिरंगा फाड़ा तथा खालिस्तानी नारे लगाये। इस बात को यदि भारत की ओर से पहले ही अमेरिकी प्रशासन के सामने उठाया जाता तो अलगाववादियों के हौसले दुनिया के किसी भी हिस्से में इतने बुलन्द न हुए होते।

''नारी''

क्या सोच ईश्वर ने तुझे बनाया ?
जो नारी को उपहार स्वरूप समाज में लाया।
मां बन तुने अपने आंचल में अमृत पान कराया।
पत्नी बन समाज में साथ निभाने का नियम बनाया।
बेटी बन इसने संसार में मान सम्मान बढ़ाया।
भगिनी रूप में इसे सदा निर्मल पाया।
तेरी यह काया समाज को निरंतर आगे बढ़ाया।
संपूर्ण सृष्टि में यही स्त्री रूप है छाया।
परम् पावनी कोमल काया।
इसने प्रकृति का नियम निभाया।
सदैव इसे रोती बिलखती है पाया।
शिकवा शिकायत इसे न करने आया।
स्वयं को इसने असहाय पाया।
सुख दुःख में एक समान पाया।
क्षण प्रतिक्षण इसे स्नेह बांटते पाया।
शायद यही सोच, ईश्वर ने अबला को सबला है बनाया।

विश्वजीत चौबे
सिधारी, हाइडिल
आजमगढ़
उत्तर प्रदेश
मोबाइल नंबर
9555799508

हिंदी इंडस्ट्री में सेट पर होती है चिकचिक

फिल्म 'अगथिया' 28 फरवरी को पैन इंडिया रिलीज होने वाली है। ये फिल्म तमिल के अलावा हिंदी और तेलुगु में भी रिलीज होगी। राशि खन्ना, जीवा, अर्जुन सरजा और एडवर्ड सोनेंब्लिक स्टारर इस फिल्म के डायरेक्टर पा विजय हैं। ये एक पीरियड हॉरर एक्शन कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में एंजेल और डेविल के साथ आयुर्वेद सिद्धा जैसी मेडिकल पद्धति पर बात की गई है। राशि की पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' काफी सुर्खियों में रही थी। वहीं, जीवा को रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म '83' में देखा गया था। एडवर्ड अमेरिकी एक्टर हैं और उन्होंने 'आरआरआर' 'केसरी', 'मणिकर्णिका' जैसी फिल्मों में काम किया है। फिल्म की स्टारकास्ट राशि, जीवा और एडवर्ड ने दैनिक भास्कर से बातचीत की है। पढ़िए बातचीत के प्रमुख अंश३ सवाल– जीवा, सबसे पहले तो आप अपने अमर चौधरी से जीवा बनने की कहानी बताइए। जवाब– मेरे पापा राजस्थान से और मेरी मम्मी मदुरई से हैं। मेरा असली नाम अमर चौधरी ही है। मैं जब इंडस्ट्री में आया, उस वक्त पर एक और एक्टर ने एंट्री ली थी। उनका नाम भी अमर था। जब उन्होंने अपना नाम अनाउंस किया, तभी मैंने अपना नाम चेंज करके जीवा रख लिया था। सवाल– राशि आप लगातार अच्छी फिल्में कर रही हैं। आपके स्क्रिप्ट का चुनाव बहुत अलग है। अभी तक जो रोल निभाया है, उसे ये किरदार कितना अलग है? जवाब– मुझे हॉरर ऐज जॉनर बहुत पसंद है। मुझे आसानी से डर नहीं लगता है। मेरे लिए हॉरर का मतलब है, जिससे मैं डर जाऊं। मैंने इस फिल्म को इसलिए साइन किया क्योंकि हॉरर फैंटेसी है और थ्रिलर भी है। मुझे नहीं लगता कि इस तरह की चीजों को हमने ज्यादा एक्सप्लोर किया है। इस फिल्म में कंप्यूटर जेनरेटेड इमेजरी (ब्ळप्) का काम एक साल तक चला है। मार्वल–डीसी के लिए जिन्होंने कंप्यूटर जेनरेटेड इमेजरी का काम किया है, उन्होंने इस फिल्म में काम किया है। वो आपको क्लाइमैक्स में दिखेगा। क्लाइमैक्स हमारी फिल्म का यूएसपी प्वाइंट है। बहुत सारे एलिमेंट है, जिसकी वजह से मैंने फिल्म साइन की है। इस फिल्म का हर कैरेक्टर इंपोर्टेंट है। फिल्म में थोड़ी बहुत कॉमेडी भी है। इमोशन और कई सारे लेयर्स भी मौजूद हैं। मैंने ऐसी फिल्म कभी नहीं की है तो मेरे लिए एक्साइटिंग फैक्टर भी था। मैंने सोचा चलो अलग–अलग जॉनर किया है, ये भी करके देखती हूं। मुझे बहुत मजा भी आया। सवाल– जीवा, आपके लिए श्अगथियाश क्या है? जवाब– मेरे लिए श्अगथियाश जरूरी फिल्म है। इस फिल्म में एक्शन, थ्रिलर, हॉरर सबकुछ है। साथ में अच्छे को–एक्टर्स भी हैं। जैसा कि आपने कहा कि फिल्म किसी भी भाषा में हो लेकिन ऑडियंस इमोशन से जुड़ जाती है। तो इस फिल्म में वो इमोशन देखने को मिलेगा। और मुझे लगता है कि पैन इंडिया ऑडियंस इस फिल्म से जुड़ पाएगी। ये एक तरह की फैमिली फिल्म है। बच्चे भी इसे देख सकते हैं। फिल्म में मार्वल के टेक्नीशियन हैं। ईरान के ग्राफिक टेक्नीशियन ने इसमें काम किया है। हमने साउथ इंडिया के ऑडियंस को दिमाग में रखकर काम किया था लेकिन फाइनल प्रोडक्ट देखने के बाद हमने इसे पैन इंडिया बनाया। राशि और जीवा पहली बार साथ में स्क्रीन शेयर कर रहे हैं। राशि और जीवा पहली बार साथ में स्क्रीन शेयर कर रहे हैं। सवाल– एडवर्ड आप तो पोस्टर और फिल्म हर जगह छाए हुए हो? जवाब– मुझे इस फिल्म में काम करके बहुत मजा आया। इस फिल्म में कंप्यूटर जेनरेटेड इमेजरी (ब्ळप्) का बहुत सारा काम दिखेगा। मैं खुद को इस अवतार में सोच भी नहीं सकता था, जब तक कि ये पोस्टर नहीं बना। मैंने खलनायक के रूप में बहुत काम किया है। इस फिल्म में भी मैं विलेन बना हूं। लेकिन ये वाला रोल मेरा थोड़ा अलग है क्योंकि मैं फ्रेंच विलेन बना हूं। मेरा किरदार और उसकी नीयत बहुत ज्यादा बुरी है। मैंने इसे और डरावना बनाने की कोशिश की है। सवाल– फिल्म में या सेट पर क्या चौलेंज रहा? जवाबध्राशि– देखिए, मुझे तो कोई चौलेंज नहीं लगा। मैं पहले भी तमिल फिल्म कर चुकी हूं। मुझे आउटसाइडर जैसा फील नहीं होता है। मैं जब तमिल फिल्म करती हूं तो लगता है, यही की हूं। जब तेलुगु या हिंदी करती हूं तो वहां की हो जाती हूं। मेरे लिए चौलेंज डरना था। जैसा कि

फिल्म `अगथिया' की स्टार कास्ट ने बताया साउथ-नॉर्थ इंडस्ट्री का फर्क, जीवा बोले- बॉलीवुड का मेथड देख हैरान

मैंने आपको बताया कि मुझे आसानी से नहीं डराया जा सकता है। और जब कुछ असल में नहीं हो रहा होता, ऐसे में आपको इमेजिन करना पड़ता है. तब थोड़ी मुश्किल होती है। सवाल– आजकल इंडस्ट्री में ऐतिहासिक और कल्चर से जुड़ी फिल्में ज्यादा बन रही हैं। लोगों को पसंद भी आ रही हैं। क्या कहना है आपलोगों का? जवाबध्जीवा– हां, आजकल हर जगह या सोशल मीडिया पर वेस्टर्न कल्चर का इम्पैक्ट देखने मिल रहा है। लेकिन जब कहानी अपनी संस्कृति या जड़ से जुड़ी हो तो उसमें इमोशन कनेक्ट होता है। इस फिल्म की शूटिंग कोविड के बाद शुरू हुई थी। कोविड में बहुत सारे लोग आयुर्वेद, होम्योपैथी की तरफ लौटे थे। फिल्म में उसका थोड़ा इंफ्लुएंस है। इस फिल्म में हेल्थ के बारे में भी बहुत कुछ है। जवाबध्राशि– मैं कहूंगी कि सिनेमा हमारे समाज और कल्चर का आईना होती है। जैसे–जैसे सोशल मीडिया आया लोग अपने कल्चर से दूर होते गए। पहले हम किताबें भी पढ़ते थे। गीत–पुराण पढ़ते थे लेकिन आजकल लोग इतना पढ़ते नहीं है। लोग विजुअल मीडिया को ज्यादा देख रहे हैं। लोग अपने कल्चर से जुड़े रहने के लिए पॉडकास्ट सुनते हैं, सिनेमा देखते हैं। ऐसे में जब ऐसी फिल्में बनती है तो लोग ज्यादा कनेक्ट कर पाते हैं। और हमें भी खुशी होती है कि हमारी फिल्म से समाज को एक मैसेज मिल रहा है। सवाल– एडवर्ड, आप भारतीय संस्कृति और आधयात्म के बारे में कितना जानते हैं? जवाब– मैं अपने परिवार के साथ हर साल एक महीने के लिए केरल आता हूं। वहां पर हम पंचकर्म केंद्र जाते हैं। मेरी पूरी फैमिली पंचकर्म ट्रीटमेंट लेती है। आयुर्वेद और सिद्धा (दक्षिण भारत की चिकित्सा पद्धति) मेरे दिल के बहुत करीब है। फिल्म में भी मेरे और अर्जुन सरजा के किरदार में सिद्धा की कहानी है। मैं तो कहूंगा कि सिद्धा इस देश और कल्चर के लिए बहुत बड़ा खजाना है। सवाल– आप तीनों ने हिंदी इंडस्ट्री में भी काम किया है और साउथ में भी। क्या अंतर महसूस होता है? जवाबध्राशि– मुझे लगता है कि भाषा के अलावा ज्यादा कुछ अंतर होता नहीं है। दोनों ही इंडस्ट्री के लोग अच्छी फिल्म बनाना चाहते हैं। ऑडियंस तक अपनी रीच ज्यादा से ज्यादा बढ़ाना चाहते हैं। जवाबध् एडवर्ड– मैं तो कहूंगा कि मुझे जो सबसे बड़ा अंतर दिखता है वो काम करने का तरीका है। साउथ में सेट पर काम करने का माहौल शांत रहता है। हिंदी इंडस्ट्री में सेट पर थोड़ा ज्यादा तमाशा होता है। साउथ का खाना मुझे अच्छा लगता है। जवाबध्जीवा– मैंने एक फिल्म की थी श्जिप्सीश। इस फिल्म की शूटिंग ऑल ओवर इंडिया में हुई थी। उस दौरान मुझे पूरे देश में घूमने का मौका मिला। मुझे तो लोग एक जैसे लगे। इमोशन एक जैसे हैं, फैमिली भी एक जैसी हैं। बस क्लाइमेट और फूड का अंतर है। एक अंतर ये है कि साउथ में बीच है और नॉर्थ में नदी। मैं एडवर्ड की बातों से उतना सहमत नहीं हूं। मैंने फिल्म श्83श में काम किया है। मैं तो हिंदी इंडस्ट्री के टेक्नीशियन और मेथड को देखकर हैरान था।

नम्रता मल्ला ने गोल्डन ब्रालेट में गिराईं हुस्न की बिजलियां

नम्रता मल्ला गोल्डन कलर की ब्रालेट और ब्लैक बॉटम में बेहद किलर अंदाज में नजर आ...

भोजपुरी सेंसेशन मोनालिसा ने डीप नेक क्रॉप टॉप और स्कर्ट में दिए किलर पोज

मोनालिसा ऑरेंज कलर के ड्रमैटिक स्लीव्स वाले टॉप और स्कर्ट में नजर आ रहीं हैं, जो उन पर काफी जच रहा...

आलिया भट्ट बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक हैं. अभिनेत्री ने अपने अब तक के करियर में तमाम हिट फिल्में दी हैं और अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है. आलिया भट्ट सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और हमेशा अपन लाइफ से जुड़ी अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं. फिलहाल राहा की मम्मी आलिया अपनी मां सोनी राजदान की किचन में कुकिंग लेसन ले रही हैं. इसकी वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है. आलिया ने बेटी राहा के लिए मां के किचन में सीखी ये रेसिपी बता दें कि अपने आधिकारिक यूट्यूब चौनल पर, आलिया ने अपने फैंस को अपनी मां के किचन के बारे में जानकारी दी और खुलासा किया कि वह आखिरकार खाना बनाना सीख जाएंगी. आलिया ने बताया कि वह अपनी मां से अपना फेवरेट मैक एंड चीज बनाना सीख रही हैं. एक्ट्रेस ने खुलासा किया, श्शैं दो साल से अपनी मां से खाना बनाना सीखने की बात कर रही हूं...यह सुनकर सोनी राजदान ने उन्हें टोकते हुए कहा, ष्नहीं, नहीं, अब तो कई साल हो गए!ष इसके बाद आलिया ने बताया कि ज्यादातर बच्चों की तरह वह भी मानती हैं कि उनकी मां का खाना दुनिया का सबसे अच्छा खाना है और वह सबसे अच्छा खाना बनाती हैं. उन्होंने यह भी कहा कि उनकी मां अब उनकी बेटी राहा के लिए वही खाना पका रही हैं जो वह और उनकी बहन शाहीन भट्ट खाकर बड़ी हुई थीं.वीडियो में आलिया कोबाल्ट ब्लू और चॉक व्हाइट वर्टिकल स्ट्राइप पैटर्न वाली स्ट्राइप्ड क्रॉप्ड शर्ट में काफी स्टाइलिश लग रही हैं. आलिया ने शेयर की मैक एंड चीज की रेसिपी वीडियो में आलिया की मां सोनी एक्ट्रेस के फेवरेट मैक एंड चीज की रेसिपी भी शेयर करती हैं. वे बताती हैं कि उन्होंने रेसिपी बनाने के लिए 350 मिली दूध, 90 ग्राम ग्रेटेड चेडर चीज, 90 ग्राम पास्ता, 2 बड़े चम्मच मैदा, 25 ग्राम मक्खन, नमक, जायफल पाउडर और काली मिर्च पाउडर लिया है. इसके बाद वे रेसिपी बनाना शुरू करती हैं और बताती हैं। सबसे पहले पास्ता को पानी में सॉल्ट डालकर बॉइल करें. इस दौरान सोनी कुछ टिप्स भी देती हैं. जैसे इसमें थोड़ा सा तेल मिलाएं क्योंकि यह पास्ता को आपस में चिपकने से बचाने में हेल्प करता है. फिर दूसरे बर्तन में मक्खन डालने से पहले थोड़ा सा ऑलिव आइल डालें. इससे आपका मक्खन नहीं जलेगा. फिर इसमें मैदा डालकर अच्छे से चलाएं और मैदा को पकने दें. बर्तन को आंच से उतार लें और दूध डालें।

एजाज खान पिछले 20 साल से इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। उन्होंने 2000 में फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया' से अपना करियर शुरू किया और तब से फिल्मों और टीवी में एक्टिव हैं। इस सफर में कई उतार–चढ़ाव आए, लेकिन उन्होंने अलग–अलग किरदारों से खुद को साबित किया। वे 'तनु वेड्स मनु', 'बिग बॉस 14', 'जिला गाजियाबाद' और 'शोरगुल' जैसे कई प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहे हैं। हाल ही में दैनिक भास्कर से बातचीत में उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें शेयर की। 'हर फैसला सही नहीं था, लेकिन हर गलती ने सिखाया' वे कहते हैं, 'अगर मुझसे पूछेंगे कि क्या मेरे सारे फैसले सही थे? तो जवाब होगा – नहीं। कई मौके हाथ से निकले, कुछ गलत फैसले लिए। कभी सोचा कि टीवी छोड़कर फिल्मों के लिए तीन साल का ब्रेक लेना सही था या नहीं, लेकिन हर अनुभव ने कुछ सिखाया। लेकिन अगर ये गलतियां न होतीं, तो शायद मैं यहां तक नहीं पहुंचता।' वे आगे कहते हैं, 'जो फैसले लिए, जो उतार–चढ़ाव आए, उन्हीं की वजह से आज यहां बैठकर आपसे बात कर रहा हूं।' 'खाली दिमाग सबसे बड़ा दुश्मन' हर कलाकार की जिंदगी में ठहराव आता है। एजाज भी इस दौर से गुजरे। जब उन्होंने फिल्मों के लिए टीवी से तीन साल का ब्रेक लिया, तो खुद को मोटिवेट करना आसान नहीं था। 'डिसिप्लिन और मेहनत जरुरी हैं, लेकिन जब बड़ा प्रोजेक्ट न हो तो खाली दिमाग सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है। उससे लड़ना सबसे मुश्किल होता है।'

मौनी रॉय ने इंस्टाग्राम पर लगाया ग्लैमर का तड़का, फैंस बोले – हॉटेस्ट गर्ल इन प्लानेट

मौनी रॉय स्काई ब्लू कलर की वनपीस ड्रेस में आउटिंग करती नजर आ रहीं हैं, जिसके साथ उन्होंने एक ब्लैक कलर का ओवरकोट भी पेयर अप...

खून की कमी दूर करेगा चुकंदर का जूस, रोज एक गिलास पीने से मिलेंगे चौंकाने वाले फायदे

चुकंदर स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर में से खून की कमी दूर करने में मदद करते हैं। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, सोडियम,पोटेशियम, जिंक, मैग्नीशियम,

फॉस्फोरस, सल्फर, तांबा, विटामिन–बी1,बी2, बी6, नियासिन काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं। यह पोषक तत्व शरीर की कमजोरी दूर करके एनर्जेटिक रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह इम्यूनिटी मजबूत करने और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में भी

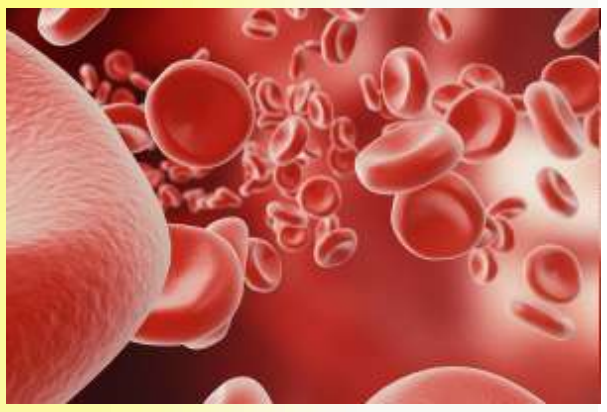

सहायता करता है। तो चलिए आपको बताते हैं इस जूस को पीने के फायदे...

खून की बढ़ाएगा मात्रा

चुकंदर का जूस पीने से शरीर में खून की मात्रा बढ़ती है यह शरीर की कमजोरी दूर करने में भी मदद करता है। एनीमिया के रोगियों के लिए यह जूस बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। यह शरीर को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है। नियमित चुकंदर का जूस पीने से शरीर की थकावट दूर होती है।

पाचन होगा मजबूत

इसका सेवन करने से पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। यह पेट को स्वस्थ रखने में सहायता करता है। नियमित चुकंदर का जूस पीने से गैस, एसिडिटी जैसी परेशानियां दूर होती हैं। इसके अलावा यह पेट साफ करने में भी मदद करता है। चुकंदर में पाया जाने वाला फाइबर पेट के लिए बेहद ही फायदेमंद माना जाता है।

विषाक्त पदार्थ निकलेंगे बाहर

शरीर में पाए जाने वाले डिटॉक्स पदार्थ बाहर निकालने और लीवर को हैल्दी रखने के लिए भी आप चुकंदर के जूस का सेवन कर सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण शरीर को स्वस्थ रखने में सहायता करते हैं।

कम होगा वजन

इसमें कैलोरी काफी कम मात्रा में पाई जाती है। ऐसे में यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो इसे अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इसे पीने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ रहेगा और आपका वजन कम होने में भी मदद मिलेगी।

ग्लोइंग स्किन के लिए

चुकंदर का जूस चेहरा चमकाने में भी सहायता करता है। इसमें एंटीइंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं जो पिंपल्स दूर करने में सहायता करते हैं। इसका सेवन करने से स्किन हाइड्रेट रहती है और त्वचा ग्लोइंग होती है।

ब्लड प्रेशर होगा कम

रोज एक गिलास चुकंदर का सेवन करने से ब्लड प्रेशर का स्तर भी कम होता है। इसमें मौजूद नाइट्रेट शरीर में रक्त संचार बढ़ाने में मदद करता है।

बचपन से ही बच्चों को सिखाना शुरु कर दें पैसा बचाना, भविष्य में काम आएगी आदत

बढ़ते खर्चों और महंगाई के जमाने में पैसा बचाना बहुत ही जरुरी हो गया है। खासकर छोटे बच्चे पैसे की अहमियत से अंजान होते हैं जिसके चलते वह खुलकर पैसे उड़ाते हैं। ऐसे में यह पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वह उन्हें पैसे की बचत करना सिखाएं ताकि वह भविष्य में इसकी अहमियत समझकर ही पैसा खर्च कर सकें। इसके अलावा वह फालतू चीजों पर भी पैसा खर्च करने से पहले कई बार सोचेंगे। तो चलिए आपको बताते हैं कि आप कैसे बच्चों को पैसे बचाना सिखा सकते हैं...

जरुरत और इच्छा में बताएं फर्क

मनी सेविंग के लिए बच्चों को सबसे पहले यह सिखाएं कि इच्छा और जरुरत में फर्क क्या होता है। इच्छा के कारण कोई काम नहीं रुकता लेकिन अगर आपको किसी चीज की जरुरत है और आप उसे पूरा नहीं कर पा रहे हैं तो इसके बिना आपका काम रुक सकता है। इस बात को समझने के बाद वह पैसे की कीमत समझ पाएंगे ।

इनाम देकर बढ़ाएं हौंसला

यदि आपके द्वारा कही गई बातें बच्चे अच्छे से मान लेते हैं और पैसे को बचा लेते हैं तो आप उन्हें तोहफे के तौर पर इनाम दे सकते हैं। इनाम देने से बच्चों को अंदर उत्साह आएगा और आगे से भी ऐसे ही पैसे जोड़ना शुरु कर देंगे।

सिखाएं पैसे का महत्व

बच्चों को पैसे का महत्व सिखाएं। यदि आप उन्हें बात–बात पर पैसे देते हैं तो इस आदत को बंद कर दें। बार–बार पैसे देने से वह इसके महत्व को नहीं समझ पाएंगे। उन्हें पैसा केवल जरुरत पड़ने पर ही दें। इससे उन्हें पैसे की जरुरत पता चलेगी और वह खर्च भी सोच–समझकर करेंगे।

कुछ कमाने के लिए करें प्रेरित

उन्हें पैसे की कद्र सिखाएं बताएं कि पैसा कितनी मुश्किल से कमाया जाता है। काम कोई भी छोटा बड़ा नहीं होता। आप उन्हें उनकी मेहनत से कुछ कमाने का अवसर प्रदान कर सकते हैं। कई माता–पिता यह सोचते हैं कि इसके कारण बच्चे बिगड़ जाएंगे लेकिन नहीं मेहनत करने से वह प्रैक्टिकल बनते हैं। इसके अलावा इस आदत से वह खुद के पैर पर खड़े होकर मेहनत करना भी सीख पाएंगे।

पॉकेट मनी देने से पहले रखें ध्यान

बच्चों को पॉकेट मनी देने के लिए एक दिन रखें। हफ्ते या फिर महीने में किसी एक दिन आप उन्हें थोड़े से पैसे देस कते हैं। इसके अलावा पैसे देते समय उन्हें यह भी समझाएं कि यह किसके लिए है। पॉकेट मनी को वह कैसे इतने दिनों तक चला सकते हैं। इस बात का भी ध्यान रखें कि कभी भी उन्हें ज्यादा पैसे या फिर खुले पैसे न दें।

तेजी से वजन घटाने के लिए अपनाएं ये डाइट, कई गंभीर बीमारियों का भी टलेगा खतरा

बेहतर और स्वस्थ जीवन के लिए हमारा खानपान सही होना बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आप रोजाना बाहर या एक जैसी चीजों का सेवन करते हैं, तो आप अपने स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। फिर चाहे वह चीजें कितनी ही हेल्दी क्यों न हों। एक्सपर्ट्स के मुताबिक आपके खाने की प्लेट में रंग–बिरंगे खाद्य पदार्थ शामिल होने चाहिए। रंग–बिरंगे खाद्य पदार्थ का सीधा मतलब तरह–तरह के फल–सब्जियों और अनाज से हैं।

रेनबो डाइट

एक्सपर्ट्स इस डाइट को रेनबो डाइट कहते हैं। जैसा कि आपको इस रेनबो डाइट के नाम से ही पता चल रहा होगा कि इस डाइट में अलग–अलग रंग की खाने की चीजें शामिल होंगी। आपको बता दें कि रंग–बिरंगे खाद्य पदार्थ यानि की रेनबो डाइट में फाइबर, जिंक, फास्फोरस, विटामिन ए (बीटा कैरोटीन), विटामिन सी, विटामिन ई, और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। होलिस्टिक हेल्थ कोच और श्ईट योर केक, लोज योर वेटश के लेखक अजहर अली सैयद बताते हैं कि रेनबो डाइट के जरिए आप वेट कंट्रोल करने के अलावा डायबिटीज, कैंसर, सूजन और हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरे को कम किया जा सकता है।

डाइट में रंगो का महत्व

खाने की हर चीज का रंग उसमें मौजूद खास केमिकल के कारण होता है और यह हमारी सेहत के लिए काफी जरूरी है। जैसे पीले नारंगी रंग की चीजों में में कैरोटीन पाया जाता है। वहीं हरे रंग की चीजों में क्लोरोफिल की मात्रा पाई जाती है। इसके साथ ही लाल और बैंगनी रंग की चीजों में एंथोसायनिन केमिकल पाया जाता है। यह सारे केमिकल्स हमारे बेहतर स्वास्थ्य के लिए काफी जरूरी होते हैं।

आसानी से होता है वेट लॉस

ज्यादातर फल–सब्जियों में कैलोरी, फैट और शुगर की मात्रा कम और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है। इनमें पॉलीफेनोल्स की मात्रा भी अधिक होती है। यही कारण है कि हर रोज थोड़ी–थोड़ी मात्रा में इनके सेवन से आपके वेट लॉस में आसानी होती है।

फाइबर की मात्रा

कई फलों और सब्जियों में फाइबर और पानी की भरपूर मात्रा पाई जाती है। यन फलों और सब्जियों के सेवन से आप लंबे समय तक तृप्त रहेंगे। साथ ही इन चीजों के सेवन से आप अनहेल्दी चीजें खाने से बचेंगे। क्योंकि इनमें पाई जाने वाली नैचुरल मिठास, पानी और फाइबर से आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है। जिससे आपका बाहर की चीजें खाने का मन नहीं करेगा।

कैलोरी की मात्रा कम

रेनबो डाइट में शामिल चीजों में कैलोरी की मात्रा काफी कम पाई जाती है। हालांकि स्वीट कॉर्न, हरी मटर, अंगूर, खजूर, केला, एवोकाडो, अंजीर, नारियल आदि में कैलोरी की मात्रा थोड़ी अधिक हो सकती है। लेकिन इन फलों में अलग–अलग पोषक तत्व पाए जाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर आपकी भूख को लंबे समय तक मिटाएगा और मीठा खाने की इच्छा भी होगी।

स्टीम में पकाएं सब्जियां

रेनबो डाइट में शामिल सब्जियों को भाप में पकाना चाहिए और इसमें मसालों और जड़ी–बूटियों का इस्तेमाल करें। क्योंकि अगर आप इसको अन्य खाने की चीजों की तरह पकाएंगे या हाई फैट वाले ड्रेसिंग या सॉस का इस्तेमाल करने से कैलोरी और फैट की मात्रा बढ़ जाती है।

आइस क्यूब से करें स्किन की मसाज, मिलेंगे ये जबरदस्त फायदे

जब हम आइस क्यूब को किसी ड्रिंक में डालते हैं तो उसका टेस्ट कई गुना बढ़ जाता है। आमतौर पर, हम अपनी ड्रिंक को ठंडा बनाने के लिए इन आइस क्यूब का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आइस क्यूब सिर्फ आपके टेस्ट को बढ़ाने में ही मददगार नहीं है, बल्कि इसकी मदद से आप अपनी स्किन का ख्याल भी रख सकते हैं। अमूमन हम अपनी स्किन की केयर करने के लिए तरह–तरह के महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। जबकि अगर आप हर दिन सिर्फ एक या दो आइस क्यूब से अपनी स्किन की मसाज करें तो इससे आपकी कई स्किन प्रॉब्लम्स आसानी से सॉल्व हो सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको आइस क्यूब से स्किन की मसाज करने से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदों के बारे में बता रहे हैं–

क्ने को कहें अलविदा

बर्फ के सबसे अच्छे गुणों में से एक एंटी–इंफ्लेमेटरी है जो मुंहासों को कम करने और ठीक करने में मदद करता है। यह आपकी स्किन को शांत करता है और उसे सूदिंग इफेक्ट प्रदान करता है। साथ ही साथ, यह अतिरिक्त सीबम उत्पादन को भी कम करता है, जिससे आपको बार–बार एक्ने की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता।

मिलती है ग्लोइंग स्किन

हम सभी ग्लोइंग स्किन पाना चाहते हैं और आपकी इस ख्वाहिश को पूरा करने में भी बर्फ बेहद ही मददगार है। चेहरे पर बर्फ लगाने से आपकी स्किन में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और त्वचा में निखार आता है। यह स्किन में ऑक्सीजन के स्तर में भी सुधार करता है और आवश्यक पोषक तत्वों, विटामिनों की आपूर्ति करता है। इतना ही नहीं, बर्फ से मसाज करने से स्किन में स्किन केयर प्रोडक्ट बेहतर तरीके से अब्जॉर्ब होते हैं और इस लिहाज से स्किन कम समय में ही दमकने लगती है।

नहीं रहेंगे डार्क सर्कल्स

आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स आपकी पूरी खूबसूरती छीन लेते हैं। लेकिन अगर आप अंडर आई एरिया में बर्फ से मसाज करते हैं तो इससे आपको डार्क सर्कल्स की समस्या से भी निजात मिलती है। इसके लिए आप गुलाब जल में खीरे का रस मिलाएं और इसे फ्रीज करके आइस क्यूब बनाएं। इस आइस क्यूब से मसाज करें। नियमित रूप से ऐसा करने से आपको जल्द ही अपनी स्किन पर असर नजर आने लगेगा।

स्किन बनती है यंगर

हममें से कोई भी अपनी स्किन पर एजिंग के साइन को नहीं देखना चाहता है। यूं तो हम अपनी बढ़ती उम्र को पलट नहीं सकते, लेकिन इसे नियंत्रित अवश्य किया जा सकता है। जब स्किन पर नियमित रूप से बर्फ के टुकड़े को रब किया जाता है तो इससे उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने में मदद मिलती है। यह ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करता है और आपके स्किन पोर्स को कसने में मदद करता है।

संक्षिप्त

स्पाइसजेट के खिलाफ तीन विमान पट्टेदारों, पूर्व पायलट ने दीवाला याचिका दायर की

नयी दिल्ली, एजेंसी। एयरलाइन स्पाइसजेट को नई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि आयरलैंड के तीन विमान पट्टेदारों और एक पूर्व पायलट ने उसके खिलाफ एनसीएलटी में दिवाला याचिका दायर की है, जिसमें चूक का दावा किया गया है। तीन विमान पट्टा कंपनियों – एनजीएफ अल्फा, एनजीएफ जेनेसिस और एनजीएफ चार्ली ने आईबीसी की धारा 9 के तहत याचिका दायर की है, जिसमें स्पाइसजेट के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने की मांग की गई है। याचिका में कुल 1.26 करोड़ डॉलर (लगभग 110 करोड़ रुपये) का बकाया होने का दावा किया गया है। स्पाइसजेट ने इसी सप्ताह राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की कार्यवाही के दौरान मामले को सुलझाने के लिए कुछ समय मांगा था, क्योंकि निपटान वार्ता चल रही थी। एनसीएलटी ने एक आदेश में कहा, "परिचालन ऋणदाता (स्पाइसजेट) की ओर से वकील मौजूद हैं और मामले में भविष्य में की जाने वाली कार्रवाई के बारे में निर्देश प्राप्त करने के लिए समय मांगा है।" न्यायाधिकरण ने तीनों याचिकाओं को अगली सुनवाई के लिए सात अप्रैल, 2025 को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। पट्टेदारों ने पहले स्पाइसजेट को पांच बोइंग 737 पट्टे पर दिए थे। उन्होंने स्पाइसजेट को कानूनी नोटिस भेजा था, जिसमें उन्होंने इंजन सहित विमान के कुछ हिस्सों की चोरी और उन्हें दूसरे विमानों में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। इसके अलावा, पायलट द्वारा दायर याचिका के संबंध में, दो सदस्यीय एनसीएलटी पीठ ने पूछा कि क्या दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 10ए के तहत पायलट के दावों पर रोक है। एनसीएलटी ने कहा, "परिचालन ऋणदाता की ओर से वकील मौजूद हैं और उन्होंने विशेष रूप से कुछ दावा राशि के संबंध में धारा 10ए की प्रयोज्यता और सीमा के मुद्दे के संबंध में मुद्दे की जांच करने के लिए समय मांगा है। इसे देखते हुए मामले को 15 अप्रैल, 2025 को सूचीबद्ध किया जाए।

शुल्क बढ़ोतरी से अमेरिका को भारतीय निर्यात हो सकता है प्रभावित: एक्जिम बैंक

मुंबई, एजेंसी। भारतीय निर्यात–आयात बैंक (एक्जिम बैंक) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सीमा शुल्क की दरों पर अमेरिका के बदले रुख से अमेरिका को किए जाने वाले भारतीय निर्यात पर असर पड़ सकता है। एक्जिम बैंक की उप प्रबंध निदेशक दीपाली अग्रवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा कि बैंक ने दो अप्रैल से भारतीय उत्पादों पर अधिक सीमा शुल्क लगाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान से

पड़ने वाले असर को लेकर बैंक ने केंद्र सरकार को अपनी राय दे दी है। हालांकि उन्होंने एक्जिम बैंक की तरफ से सरकार को दी गयी सूचना के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने बैंक के एक कार्यक्रम के दौरान कहा, भारतीय निर्यात का एक बड़ा हिस्सा अमेरिका को जाता है। इस फैसले का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि मांग किस तरह की आ रही है। उन्होंने कहा, यह भी समझने की जरूरत है कि ये अमेरिका के नए प्रशासन के तहत लिए गए निर्णय या घोषणाएं हैं और हमें इन निर्णयों के सटीक प्रभाव को मापने के लिए कुछ समय देने की जरूरत है। बैंक अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन को उन उपभोक्ताओं की ओर से कुछ आंतरिक मांगें भी महसूस हो सकती हैं जो आयात पर निर्भर हैं और शुल्क बढ़ोतरी के कारण कुछ उत्पादों को खोने का जोखिम पैदा हो सकता है। इसके साथ ही अग्रवाल ने कहा कि रुपये के मूल्य में आई गिरावट के पहलू पर भी गौर किया जाना चाहिए।

एसबीआई ने महिला उद्यमियों के लिए बिना गारंटी वाले ऋण की शुरुआत की

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने महिला उद्यमियों

के लिए कम ब्याज दर के साथ बिना गारंटी वाले ऋण की पेशकश की। एसबीआई ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर अस्मिता नाम से उत्पाद पेश किया। इसका मकसद महिलाओं को कम ब्याज दर वाले वित्तपोषण विकल्प देना है। एसबीआई के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने कहा कि नई पेशकश से महिलाओं के नेतृत्व वाली सूक्ष्म, लघु और मध्यम इकाइयों को जल्दी और आसानी से कर्ज मिलेगा। बैंक के प्रबंध निदेशक विनय टोंस ने नई पेशकश को तकनीकी नवाचार और सामाजिक समानता का प्रतीक बताया।

न्यूजीलैंड से 25 साल पुराना बदला लेने का भारत के पास सुनहरा मौका

भारत और न्यूजीलैंड के बीच अभी तक दो बार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में भिड़ चुकी है, जिसमें दोनों बार भारत को हार का सामना करना पड़ा है। पहली बार साल 2000 में, न्यूजीलैंड ने भारत को हराकर अपनी पहली चौंपियंन ट्रॉफी जीतने का इतिहास रचा था। इसके बाद 2021 में न्यूजीलैंड ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में भारत को हराकर दूसरा बड़ा खिताब जीता था।

चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला भारत और न्यूजीलैंड के बीच 9 मार्च को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच न केवल दोनों देशों के बीच एक दिलचस्प प्रतिस्पर्धा का प्रतीक बनने वाला है, बल्कि दोनों टीमों के लिए उनके इतिहास को नया मोड़ देने का एक बड़ा अवसर भी साबित होगा। कप्तान रोहित शर्मा के पास न्यूजीलैंड को हराकर 25 साल पुराना जख्म भरने का मौका है। साथ ही रोहित भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का बदला भी ले सकेंगे।

आईसीसी टूर्नामेंट को दो बार गंवा चुकी है टीम इंडिया

भारत और न्यूजीलैंड के बीच अभी तक दो बार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में भिड़ चुकी है, जिसमें दोनों बार भारत को हार का सामना करना पड़ा है। पहली बार साल 2000 में, न्यूजीलैंड ने भारत को हराकर अपनी पहली चौंपियंन ट्रॉफी जीतने का इतिहास रचा था। इसके बाद 2021 में न्यूजीलैंड ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में भारत को हराकर दूसरा बड़ा खिताब जीता था। ऐसे में भारत के पास चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में कीवियों को हराकर इन दोनों हार का बदला लेने का अच्छा मौका है। वहीं भारत और न्यूजीलैंड दोनों ही इस टूर्नामेंट में फॉर्म में हैं। भारत की टीम सटीक बल्लेबाजी और गेंदबाजी के साथ लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है, जबकि न्यूजीलैंड भी अपने बेहतरीन सामूहिक खेल के लिए प्रसिद्ध है। दोनों टीमों के कप्तान भारत के रोहित शर्मा और न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर दोनों ही दिग्गज कप्तान हैं और अपने–अपने टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं। इन दोनों का नेतृत्व ही उनके टीमों को अब तक टूर्नामेंट में सफलता दिलाने का कारण बना है। वहीं भारत के लिए ये मुकाबला 2000 की हार का बदला लेने और चौंपियंस ट्रॉफी का अपना तीसरा खिताब जीतने का सुनहरा मौका होगा। भारत ने कई बार आईसीसी टूर्नामेंट्स में जीत हासिल की है। और चौंपियंस ट्रॉफी में उनका प्रदर्शन हमेशा शानदार रहा है। 2025 के फाइनल में भारत एक नई रणनीति के साथ न्यूजीलैंड को हराकर अपनी क्रिकेट की महानता को साबित करना चाहेगा।

वनडे सबसे खराब प्रारूप है, नियमों के कारण यह खत्म हो गया : मोईन अली

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली ने बल्लेबाजों के पक्ष में नियमों की कड़ी आलोचना की जिससे 50 ओवर का प्रारूप खत्म होने की कगार पर पहुंचा जिससे टी20 लीग में 'फ्रीलांस' (स्वतंत्र) खेलने वाले खिलाड़ियों की संख्या बढ़ रही है। मोईन ने इंग्लैंड के लिए 138 वनडे मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 2,355 रन बनाने के अलावा 111 विकेट भी लिए हैं जबकि 68 टेस्ट मैच में उन्होंने 3000 से अधिक रन बनाए हैं और 200 से अधिक विकेट लिए हैं।

भारत प्रबल दावेदार लेकिन न्यूजीलैंड टीम भी बहुत मजबूत : रवि शास्त्री

भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को चौम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत को प्रबल दावेदार बताया है लेकिन कहा कि फायदा ज्यादा नहीं होगा क्योंकि न्यूजीलैंड काफी मजबूत टीम है। भारतीय टीम ने अपने सारे मैच दुबई में खेले और सभी जीतकर फाइनल में पहुंची है। सेमीफाइनल में भारत ने आस्ट्रेलिया को हराया था। न्यूजीलैंड टीम ग्रुप ए में भारत के बाद दूसरे स्थान पर रही थी जिसे भारत ने लीग चरण में हराया था। न्यूजीलैंड ने लाहौर में सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को मात दी। भारत के पूर्व मुख्य कोच शास्त्री ने 'द आईसीसी रिव्यू' में कहा ,' अगर भारत को कोई टीम हरा सकती है तो वह न्यूजीलैंड है। भारत प्रबल दावेदार है लेकिन बहुत ज्यादा फायदा नहीं है।'' भारत और न्यूजीलैंड का सामना 2000 चौम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में भी हुआ था जिसमें न्यूजीलैंड ने चार विकेट से जीत दर्ज की थी। 62 वर्ष के शास्त्री ने न्यूजीलैंड के चार खिलाड़ियों का जिक्र किया जो फाइनल का रूख बदल सकते हैं। उन्होंने रचिन रविंद्र को 'बेहद प्रतिभाशाली' करार दिया जबकि केन विलियमसन की 'स्थिरता और संत जैसे शांत स्वभाव' की तारीफ की। उन्होंने कप्तान मिचेल सेंटनेर को बुद्धिमान कप्तान और ग्लेन फिलिप्स को टीम का 'एक्स फैक्टर' कहा। शास्त्री ने विराट कोहली के मौजूदा फॉर्म को 'गेम चेंजर' करार दिया जबकि निर्णायक क्षणों में अच्छे प्रदर्शन के लिये विलियमसन की भी तारीफ की।

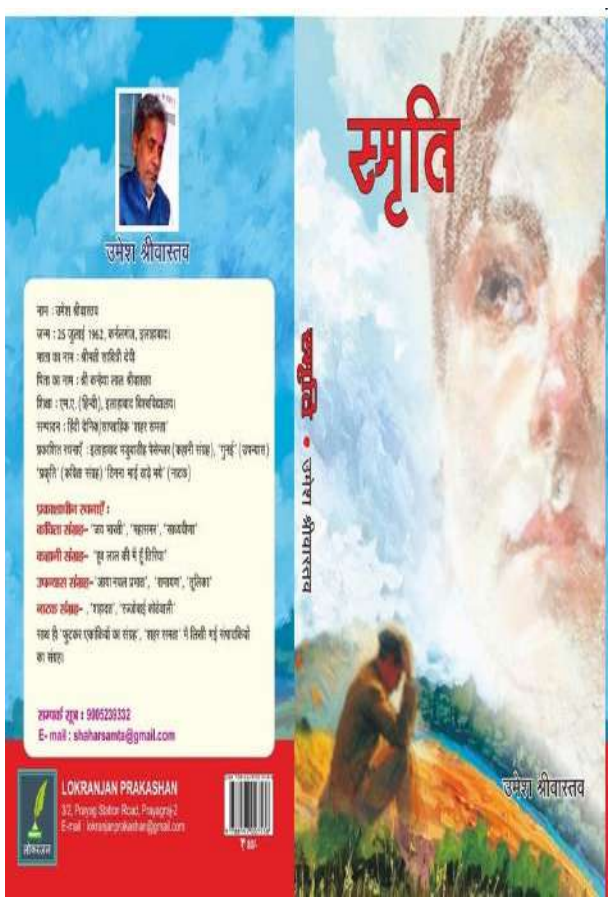

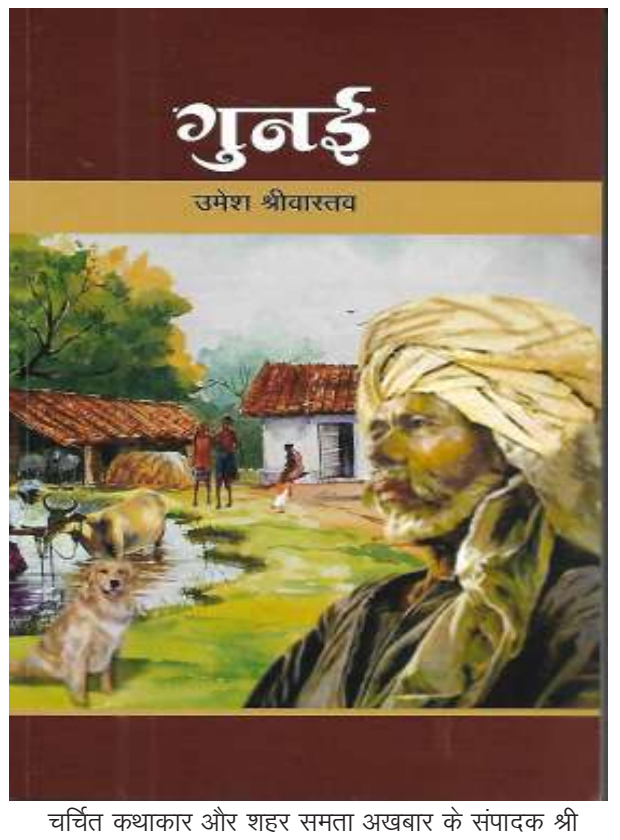

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

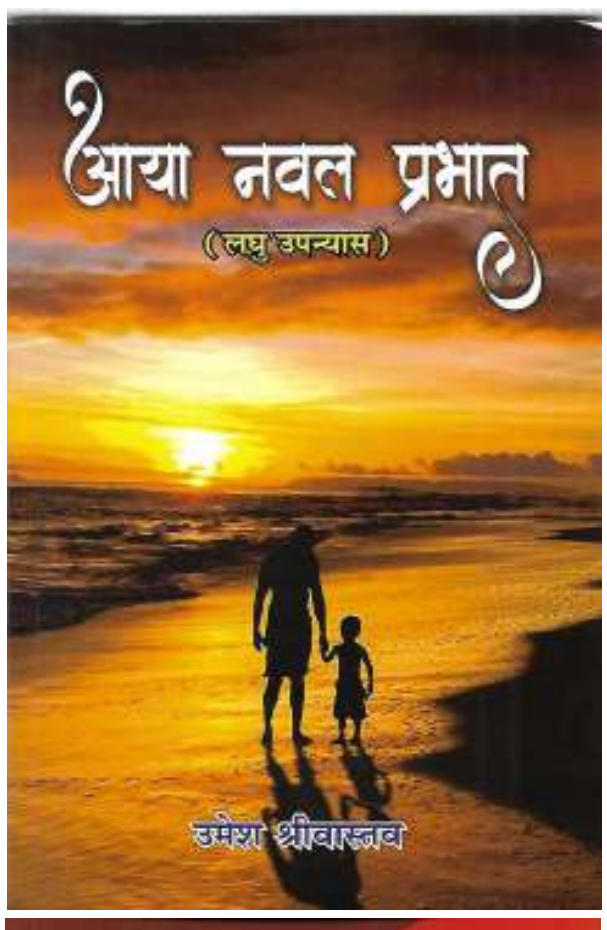

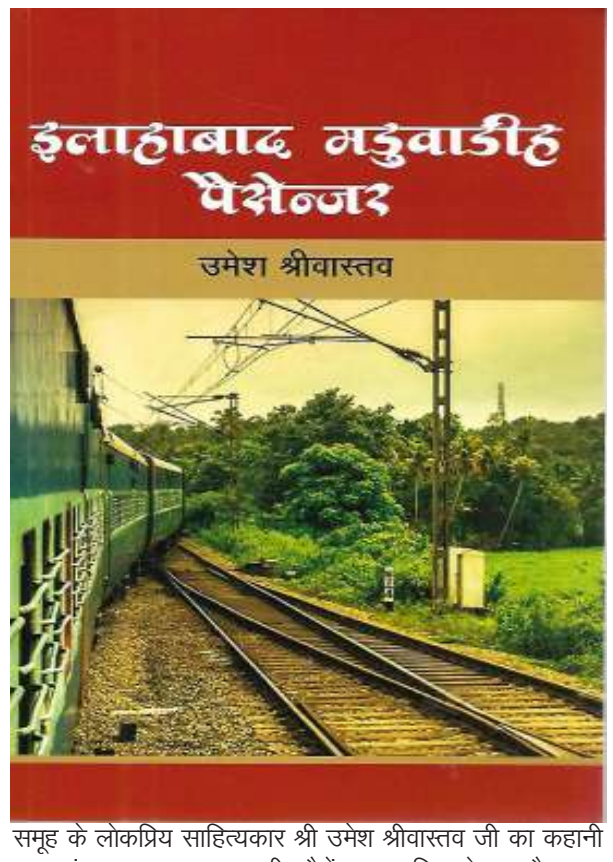

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

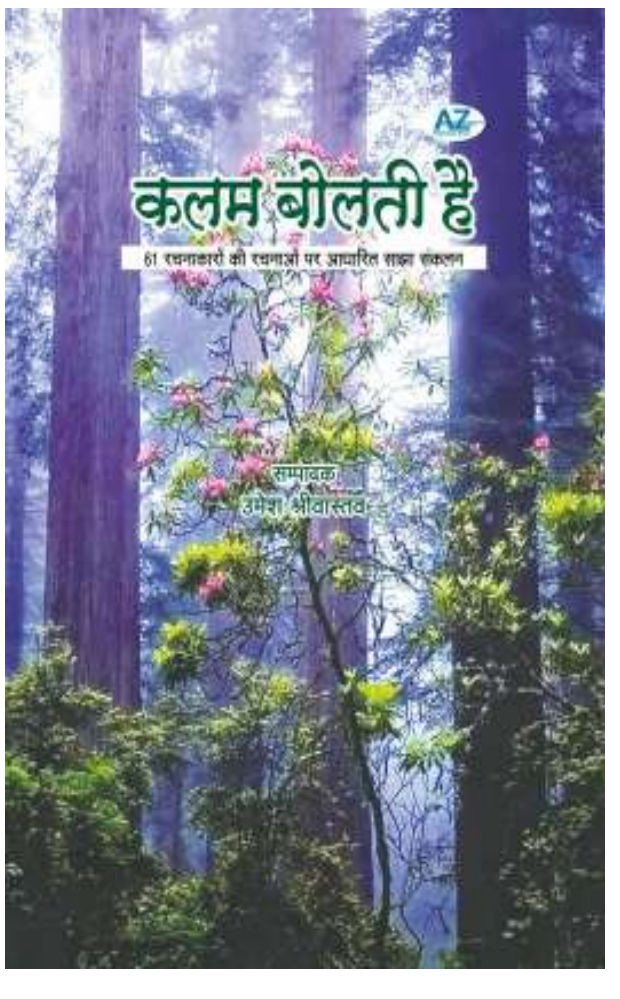

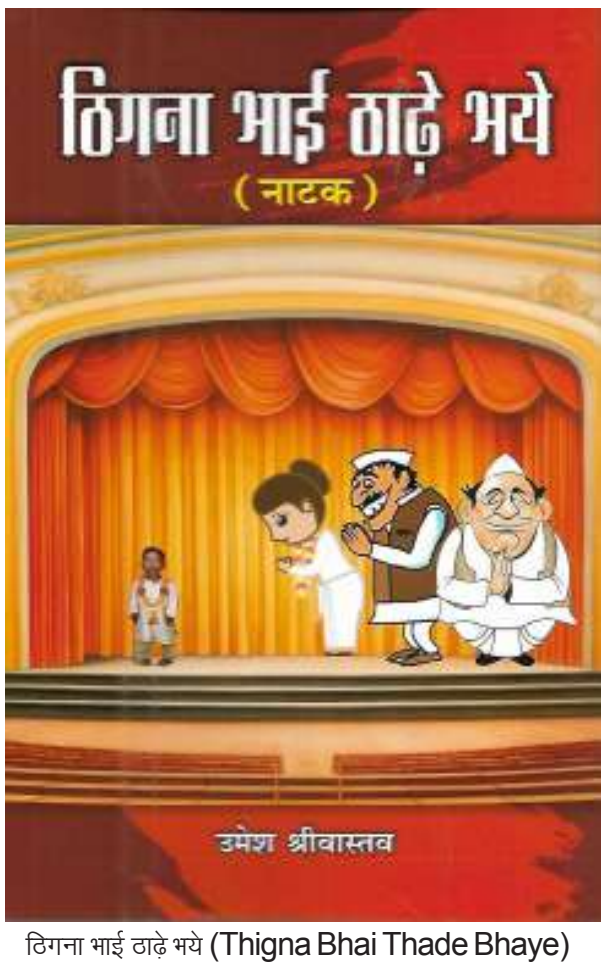

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

छात्रों के प्रदर्शन के दौरान बांग्लादेश की सेना को चेतावनी दी गई थी : संरा मानवाधिकार प्रमुख

ढाका । संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने कहा है कि विश्व निकाय ने बांग्लादेश की सेना को चेतावनी दी थी कि यदि वह जुलाई–अगस्त 2024 में हुए छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा में शामिल हुई तो उसे संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। बांग्लादेश में छात्रों ने पिछले साल बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए थे जिसके चलते 15 साल से अधिक समय से सत्तारूढ़ शेख हसीना सरकार को पांच अगस्त को अपदस्थ होना पड़ा था। इसके तीन दिन बाद

मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में पदभार ग्रहण किया था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त तुर्क बुधवार को बीबीसी के हार्डटॉक कार्यक्रम में थे। उन्होंने बांग्लादेश का उदाहरण देते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र के हस्तक्षेप का प्रभाव पड़ा। उन्होंने यह बात तब कही जब साक्षात्कारकर्ता ने उनसे कहा कि विश्व निकाय अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत संकटों को हल करने में शक्तिहीन दिखाई देता है। ढाका ट्रिब्यून ने शुक्रवार को तुर्क के हवाले से कहा, ''बड़े पैमाने पर दमन हो रहा था। उनके लिए सबसे बड़ी उम्मीद वास्तव में हमारी आवाज़ थी, मेरी आवाज थी, और हम जो कर पाए थे, वह भी यही था।'' तुर्क ने कहा, ''और हमने सेना को चेतावनी दी थी कि अगर वह इसमें शामिल होती है, तो इसका मतलब है कि वे अब सेना का योगदान देने वाला देश नहीं रह पाएंगे। परिणामस्वरूप, हमने बदलाव देखे।

पाकिस्तान ने अफगान नागरिकता कार्ड धारकों से 31 मार्च तक देश छोड़ने को कहा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान सरकार ने सभी अवैध विदेशियों को उनके देश वापस भेजने की योजना के तहत अफगान नागरिकता कार्ड (एसीसी) धारकों के लिए स्वेच्छा से पाकिस्तान से जाने की अंतिम तिथि 31 मार्च तय की है। एक आधिकारिक दस्तावेज में यह जानकारी दी गई। मीडिया में शुक्रवार रात कथित रूप से

लीक हुए इस दस्तावेज में संकेत दिया गया है कि इस्लामाबाद और रावलपिंडी में रह रहे एसीसी धारकों को अफगानिस्तान वापस भेजा जाएगा। यह अफगान प्रवासियों के लिए बहु–चरणीय पुनर्वास योजना का हिस्सा होगा। आतंकवाद के मुद्दे पर इस्लामाबाद और काबुल के बीच बिगड़ते संबंधों के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है और इसका असर उन आठ लाख से अधिक अफगान शरणार्थियों पर पड़ सकता है, जिनके पास एसीसी होने से वे दस्तावेज वाले शरणार्थियों की श्रेणी में शामिल हैं। जबकि सैकड़ों और हजारों लोग बिना दस्तावेज के यहां शरण लिए हुए हैं। इसमें कहा गया है कि अवैध विदेशी प्रत्यावर्तन कार्यक्रम (आईएफआरपी) को एक नवंबर 2023 से लागू किया गया है।

कनाडा में पब में गोलीबारी में 12 लोग घायल : पुलिस

कनाडा में पूर्वी टोरंटो के एक पब में गोलीबारी में 12 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि स्कारबोरो टाउन सेंटर मॉल के निकट शुक्रवार रात हुई गोलीबारी में 12 लोग घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध अब भी फरार है। घटना के बारे में अभी विस्तृत विवरण उपलब्ध नहीं हैं।

पचास हजार अमेरिकी डॉलर से अधिक की व्यय मदों के लिए डीओजीई से अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक है

पर्यावरण संरक्षण एजेंसी ने नए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिनमें कहा गया है कि 50,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक की व्यय मदों के लिए अब एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग से अनुमोदन लेना आवश्यक होगा। इस सप्ताह जारी किए गए दिशानिर्देशों में ईपीए परिचालन में नए दक्षता समूह, जिसे 'डीओजीई' के नाम से जाना जाता है की भूमिका को बढ़ाया गया है। 'एसोसिएटेड प्रेस' द्वारा प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार,इन निर्देशों में कहा गया है, ''50,000 अमेरिकी डॉलर या उससे अधिक मूल्य के किसी भी सहायता समझौते, अनुबंध या अंतर–एजेंसी समझौते को ईपीए डीओजीई टीम के सदस्य से अनुमोदन प्राप्त करना होगा।'' राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) को उन चीजों को खोजने का काम सौंपा है, जिन्हें वह और मस्क बर्बादी, धोखाधड़ी और दुरुपयोग कहते हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

यूक्रेन को सैन्य सहायता रोकने के बाद अब डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस को धमकाया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन को सैन्य सहायता और खुफिया सहायता रोकने के कुछ दिनों बाद अब रूस पर बड़े पैमाने पर अमेरिकी प्रतिबंध लगाने की संभावना जताई है साथ ही उन्होंने दोनों देशों से शांति समझौते पर बातचीत करने का आह्वान किया है। हम आपको बता दें कि ट्रम्प की बैंकिंग प्रतिबंधों और टैरिफ की धमकी उस रिपोर्ट के बाद सामने आई है जिसमें कहा गया था कि व्हाइट हाउस युद्ध को समाप्त करने और मास्को के साथ राजनयिक और आर्थिक संबंधों को सुधारने के प्रयास के तहत रूस को संभावित प्रतिबंधों से राहत देने की तैयारी कर रहा था। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा, "इस तथ्य के आधार पर कि रूस इस समय युद्ध के मैदान में यूक्रेन की पूरी तरह से 'पिटाई' कर रहा है, मैं रूस पर बड़े पैमाने पर बैंकिंग प्रतिबंध, अन्य प्रतिबंध और टैरिफ लगाने पर दृढ़ता से विचार कर रहा हूं, जब तक कि युद्ध विराम और शांति पर अंतिम समझौता नहीं हो जाता।" हालांकि ट्रम्प ने रूस के खिलाफ संभावित प्रतिबंधों के बारे में विस्तार से नहीं बताया है। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन, अभी बातचीत की मेज पर आ जाओ, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए। धन्यवाद!!! हम आपको यह भी बता दें कि प्रतिबंध बढ़ाने की चेतावनी के साथ ही ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बारे में अधिक समझौतावादी दृष्टिकोण भी पेश किया है। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि रूसी नेता शांति चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि वह इसे रोकना और सुलझाना चाहते हैं और मुझे लगता है कि वह यूक्रेन पर पहले से कहीं अधिक कठोर प्रहार कर रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर ईमानदारी से कहूं तो मुझे यूक्रेन से निपटना अधिक कठिन लग रहा है। इस बीच, इस तरह की भी रिपोर्टें हैं कि ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ पहले ही रूसी अधिकारियों के साथ व्यापक बातचीत कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि वह तीन साल पुराने युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति समझौते की रूपरेखा के लिए यूक्रेन के साथ भी चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने इस बात की भी पुष्टि की है कि उन्होंने अगले सप्ताह सऊदी अरब में यूक्रेनियों के साथ एक बैठक की योजना बनाई गई है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज ने भी कहा है कि वह और विदेश मंत्री मार्को रुबियो सऊदी अरब में यूक्रेनियों के साथ बातचीत में शामिल होंगे और उन्हें लगता है कि वे चीजों को वापस पटरी पर लाएँगे। वहीं यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा है कि उन्होंने शुक्रवार को रुबियो के साथ ष्रचनात्मक बातचीतष् की। वहीं युद्धक्षेत्र की बात करें तो आपको बता दें कि रूसी सेना ने उन हजारों यूक्रेनी सैनिकों को लगभग घेर लिया है, जिन्होंने पिछले साल गर्मियों में रूस के कुर्स्क क्षेत्र में घुसकर सबको चौंका दिया था। यूक्रेन को लग रहा था कि उसकी सेना की इस बढ़त को देखते हुए मास्को शांति वार्ता करने पर मजबूर होगा लेकिन रूस ने अब उस क्षेत्र में यूक्रेन की बढ़त को पूरी तरह खत्म कर दिया है। मानचित्रों से पता चलता है कि पिछले तीन दिनों में कुर्स्क में यूक्रेन की स्थिति तेजी से खराब हुई है। रूसी जवाबी हमले ने यूक्रेनी सेना को बड़ा नुकसान पहुँचाया है और उसकी मुख्य आपूर्ति लाइनों को भी ध्वस्त कर दिया है। बताया जा रहा है कि इस समय कुर्स्क में यूक्रेन के लिए स्थिति बहुत ख़राब है। रूसी सेना ने यूक्रेन के अंदर ऊर्जा और गैस के बुनियादी ढांचे को भी रात भर में क्षतिग्रस्त कर दिया है। देखा जाये तो यह अमेरिका द्वारा यूक्रेन के साथ खुफिया जानकारी साझा करने पर रोक लगाने के बाद से रूस का पहला बड़ा मिसाइल हमला था। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि इस हमले में एक बच्चे सहित दस लोग घायल हो गए। हम आपको बता दें कि रूस के पास यूक्रेन के लगभग पाँचवें हिस्से पर कब्ज़ा है, जिसमें क्रीमिया भी शामिल है जिसे उसने 2014 में अपने कब्ज़े में ले लिया था। रूस की सेनाएँ पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रही हैं। कीव किसी भी शांति समझौते के लिए मज़बूत सुरक्षा गारंटी के लिए दबाव बना रहा है, लेकिन अमेरिका ने संभावित महत्वपूर्ण खनिज समझौते की ओर इशारा करते हुए प्रतिबद्धता जताने से इंकार कर दिया है। ज़ेलेंस्की ने अभी तक खनिज समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं और एक हफ़्ते पहले वह ट्रंप के साथ सार्वजनिक रूप से भिड़ गए थे। दूसरी ओर, रूस–यूक्रेन संघर्ष को हल करने और स्थायी शांति बहाल करने के कई प्रयासों के बीच, भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा है कि मॉस्को वार्ता के लिए 'त्रिपक्षीय बैठक' करने के लिए तैयार है। उन्होंने 'इंडिया टुडे कॉन्क्लेव' में कहा कि वर्तमान अमेरिकी प्रशासन, अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में संघर्ष को रोकने की दिशा में 'सही संकेत' प्रदर्शित कर रहा है। संघर्ष को समाप्त करने के इरादे को दर्शाने वाली अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बारे में पूछे जाने पर, राजदूत ने रूस के दृष्टिकोण से स्थिति की व्यापक रूपरेखा पेश करनी चाही। उन्होंने कहा कि हम यह युद्ध जीत रहे हैं, फिर भी हम शांति समझौते के लिए तैयार हैं। हम इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि इस समय यूरोप और यूक्रेन इसमें बाधा बन रहे हैं।

ट्रंप–जेलेंस्की में तीखी बहस को अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री पोम्पिओ ने ''दुर्भाग्यपूर्ण'' बताया

अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच 'ओवल ऑफिस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यालय) में हुई तीखी बहस को ''अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण'' करार दिया। पोम्पिओ ने 'इंडिया टुडे कॉन्क्लेव' में एक संवाद सत्र के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''यह तथ्य कि यह

सबके सामने हुआ, यह यूक्रेन, यूरोप और स्पष्ट रूप से अमेरिका एवं दुनिया के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है...मुझे लगता है कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।'' राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान विदेश मंत्री और केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) के निदेशक के रूप में कार्य कर चुके पोम्पिओ से यह भी पूछा गया कि वह ट्रंप के दूसरे कार्यकाल और उनके पदभार ग्रहण करने के बाद से हुए घटनाक्रम को किस प्रकार देखते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं पक्के तौर पर नहीं कह सकता। यह पहले कार्यकाल से अलग है। पहले छह सप्ताह शोरगुल वाले रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप इस कार्यकाल में अधिक गहरी समझ, अधिक तैयारी के साथ आए हैं।

कनाडा के टोरंटो में गोलीबारी, पब में फायरिंग से 12 लोग घायल; हमलावर की तलाश जारी

टोरंटो। पूर्वी टोरंटो के एक पब में गोलीबारी की घटना हुई है। इस गोलीबारी में 12 लोग घायल हुए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार रात को टोरंटो के स्कारब्रो टाउन सेंटर मॉल के नजदीक स्थित पब में गोलीबारी हुई। घायलों में कई की हालत गंभीर है। हमलावर फरार है, जिसकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार रात करीब 10.40 बजे हुई। शुरुआत में 11 लोगों के घायल होने की खबर थी, लेकिन बाद में कनाडा पुलिस ने 12 लोगों के घायल होने की पुष्टि की। घायलों में से छह को मामूली चोटें लगी हैं, अन्य की चोटें गंभीर बताई जा रही हैं। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध हमलावर ने काला जैकेट पहना हुआ था और वह एक सिल्वर रंग की कार में भागता हुआ देखा गया। पुलिस ने लोगों को घरों के भीतर ही और चौकन्ना रहने की सलाह दी है। ताजा अपडेट में पुलिस ने बताया है कि हमले में तीन लोग शामिल हो सकते हैं। फिलहाल पुलिस संदिग्धों की तलाश में जुटी है। उल्लेखनीय है कि साल 2022 में भी कनाडा के नोवा स्कोटिया में गोलीबारी की घटना हुई थी, जिसमें 22 लोगों की मौत हुई थी। उसे कनाडा के इतिहास की सबसे खतरनाक गोलीबारी की घटना माना जाता है।

पाकिस्तान में गहराया जल संकट, जल प्राधिकरण ने किसानों को दी चेतावनी– 35 फीसदी तक हो सकती है कमी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान इन दिनों पानी की कमी से जूझ रहा है। अब पाकिस्तान के जल प्राधिकरण ने देश के किसानों से अपील की है कि इस साल 35 प्रतिशत तक पानी कम उपलब्ध रहेगा, ऐसे में वे हालात के लिए तैयार रहें। दरअसल पाकिस्तान के दो प्रमुख जलाश्यों में पानी की भारी कमी है। पाकिस्तान के जल प्राधिकरण की यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब पाकिस्तान में गेंहू की फसल का मौसम चरम पर है, लेकिन इस फसल के लिए ज्यादा पानी की जरूरत है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, इंडस रिवर सिस्टम अथॉरिटी (प्तें) ने शुक्रवार को पंजाब और सिंध के किसानों को 35 फीसदी पानी की कमी के लिए तैयार रहने को कहा है। पाकिस्तान के तरबेला और मंगला बांधों में तेजी से पानी तय मानकों से कम हो रहा है।

उत्तर कोरिया ने पहली बार दिखाई परमाणु पनडुब्बी की झलक

अमेरिका और दक्षिण कोरिया की बढ़ेगी चिंता

उत्तर कोरिया ने परमाणु ऊर्जा से चलने वाली निर्माणाधीन पनडुब्बी को पहली बार दुनिया के सामने पेश किया है। यह घातक हथियार दक्षिण कोरिया और अमेरिका के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। शनिवार को उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने इस पनडुब्बी की तस्वीरें जारी की। इस दौरान किम जोंग उन ने उस शिपयार्ड का दौरा किया जहां यह युद्धपोत का निर्माण किया जाता है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंस या केसीएनए ने पनडुब्बी से जुड़ी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की लेकिन कहा कि किम जोंग उन को इसके निर्माण के बारे में जानकारी दी गई। दक्षिण कोरियाई परमाणु पनडुब्बी विशेषज्ञ मून केउन–सिक सियोल के हानयांग विश्वविद्यालय में पढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि यह पनडुब्बी 6 या 7 हजार टन क्लास की हो सकती है और यह 10 मिसाइलों को ले जाने में सक्षम है। उन्होंने बताया कि इस तरह के हथियारों को स्ट्रैटिजिक गाइडेड मिसाइल कहा जाता है। आसान भाषा में कहें तो यह परमाणु संपन्न हथियारों को ले जाने में सक्षम पनडुब्बी है। किम जोंग उन ने 2021 में एक बड़े राजनीतिक

आयोजन के दौरान घातक और एडवांस हथियार विकसित करने की कसम खाई थी ताकि अमेरिका की अगुवाई में मिलने वाली सैन्य चुनौती का सामना किया जा सके। इसी के तहत परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा कई अन्य हथियार भी विकसित किए जा रहे हैं जिनमें अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें, हाइपरसोनिक हथियार, जासूसी उपग्रह और मल्टी–वॉरहेड मिसाइलें शामिल हैं। उत्तर कोरिया का पानी के नीचे से मिसाइल दागने की क्षमता हासिल करना उसके विरोधियों के लिए चिंता का सबब बन सकता है। इस तरह के हथियारों का दागे जाने से पहले पता लगाना मुश्किल होता है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि भारी प्रतिबंधों और गरीबी का सामना कर रहा नॉर्थ कोरिया न्यूक्लियर पनडुब्बियों के निर्माण के लिए संसाधन और तकनीक कैसे हासिल कर रहा है। पनडुब्बी विशेषज्ञ मून इस बात का जवाब देते हैं। उनका कहना है कि उत्तर कोरिया यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को सैनिकों और पारंपरिक हथियार की आपूर्ति कर रहा है। इसके बदले में रूस से उसे न्यूक्लियर पनडुब्बी बनाने के लिए जरूरी तकनीक मिल रही है। मून की मानें तो उत्तर कोरिया 1–2 साल में इस पनडुब्बी को लांच कर सकता है ताकि तैनाती से पहले इसकी क्षमताओं को परखा जा सके। अनुमान के मुताबिक उत्तर कोरिया के पास डीजल से चलने वाली 70–90 पनडुब्बियां हैं जो इसे दुनिया के सबसे बड़े बेड़ों में शुमार करती है। हालांकि, इनमें से ज्यादातर पनडुब्बियां पुरानी हैं जो केवल टॉरपीडो और माइंस लांच करने में सक्षम हैं। इनसे मिसाइल नहीं दागी जा सकती हैं। 2023 में नॉर्थ कोरिया ने कहा था कि उसने सामरिक परमाणु हमला करने वाले पनडुब्बी लांच की है लेकिन विदेशी विशेषज्ञों ने इस दावे पर संदेह जताया था। उनका मानना था कि यह संभवतरू 2019 में घोषित डीजल संचालित पनडुब्बी थी।

ट्रंप का बड़ा दावा, टैरिफ में कटौती करने पर सहमत हो गया है भारत

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि भारत ने आखिरकार टैरिफ में कटौती करने का फैसला किया है। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब उन्होंने कहा कि अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क लगाने वाले देशों पर पारस्परिक टैरिफ 2 अप्रैल से लागू होंगे। ट्रंप ने कहा

कि भारत हमसे बहुत ज़्यादा टैरिफ़ वसूलता है। बहुत ज़्यादा। आप भारत में कुछ भी नहीं बेच सकते। वैसे, वे सहमत हो गए हैं; वे अब अपने टैरिफ़ में कटौती करना चाहते हैं क्योंकि कोई तो आख़िरकार उनके किए की पोल खोल रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका को ठगा गया है और इसे रोकना होगा। ष्मैंने अपने पहले कार्यकाल में इसे रोक दिया था और अब हम इसे वास्तव में रोकने जा रहे हैं क्योंकि यह बहुत अनुचित है। आर्थिक दृष्टिकोण से, वित्तीय दृष्टिकोण से और व्यापार दृष्टिकोण से, हमारे देश को दुनिया के लगभग हर देश ने ठगा है।ष ट्रंप ने यह भी कहा कि अभी टैरिफ ष्अस्थायीष और ष्छोटेष हैं, लेकिन ष्मुख टैरिफष जो पारस्परिक प्रकृति के होंगे, 2 अप्रैल से शुरू होंगे और वे हमारे देश के लिए एक बड़ा गेम चेंजर होंगे। वहीं, भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के जरिये शुल्क और गैर–शुल्क बाधाओं को कम करने सहित व्यापार संबंधों को मजबूत करने पर विचार कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अपने व्यापार साझेदारों पर जवाबी शुल्क की घोषणा करने के कुछ दिनों बाद यह बात कही गई। ट्रंप ने अपनी अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत दो अप्रैल से कई व्यापार साझेदारों पर जवाबी शुल्क की घोषणा की, जो अमेरिका से आयात पर अधिक शुल्क लगाते हैं। इस पर पहली प्रतिक्रिया देते हुए भारत ने संकेत दिया कि वह इस मुद्दे के सौहार्दपूर्ण समाधान की उम्मीद करता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।